RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2020-22 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

12 वाँ स्थापना वर्ष

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 12 » अंक : 5 » मार्च 2022 » मूल्य : 40 रु.

चुनाव में चला मोदी-योगी का जादू

बजट में सर्वाधिक राशि खेती-किसानी के लिए

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

मानानीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान
को जन्मदिवस की लख-लख बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर

जन-जन के लाड़ले नेता एवं प्रदेश के
यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान
को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल. मकवाना (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्री सुनील सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री संजयसिंह आर्य (सहायक आयुक्त नीमच)
श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 12 » अंक : 5 » मार्च 2022 » मूल्य : 40 रु.

12वाँ स्थापना वर्ष

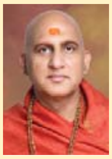

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज
» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी
» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी
» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी
» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)
» विशेष संवाददाता
इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)
» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186
» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com
» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

3
विनाश की ओर ले जाएगा नस्ली राष्ट्रवाद

7
उत्तरप्रदेश में योगी दोबारा जीते

16
बजट में सबसे ज्यादा राशि खेती-किसानों के लिए

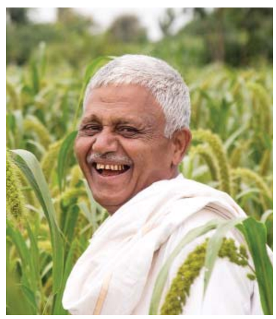

31
जायद की सूरजमुखी

39
भारत में गेहूँ निर्यात के अवसर

60
द कश्मीर फाइल्स की चर्चा पूरे देश में

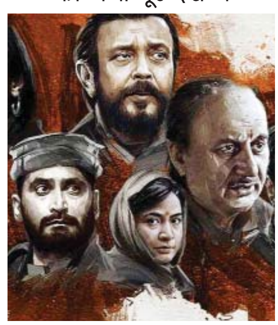

संपादकीय

12वाँ स्थापना वर्ष

खेती के दम पर आत्मनिर्भर बनेगा प्रदेश

पिछले दो वर्षों से कोरोना संकट का सामना कर रहे प्रदेशवासियों के लिए शिवराज सरकार का 2022-23 का बजट उम्मीदों का तोहफा लेकर आया है। प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए खेती किसानी, गांव, गरीबों के लिए खजाने की तिजोरी खोल दी है। शिक्षा और खेल कूद के लिए भी विशेष प्रावधान किए हैं। रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए 13 हजार शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। मनरेगा के बजट में 75 फीसदी की भारी बढ़ोतरी से ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारों को निश्चय ही बड़े पैमाने पर काम मिलेगा और विकास के द्वार भी खुलेंगे। बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। युवा, महिला और बुजुर्गों के साथ ही इस बार बाल विकास पर भी जोर दिया गया है। आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं इसलिए पहली बार शिवराज सरकार ने बच्चों के लिए अलग से बजट पेश कर एक नई मिसाल कायम की है। यह हमारे लिए फख्र की बात है कि प्रदेश की जीडीपी ग्रोथ रेट देश के अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है इसलिए बजट में अन्नदाता किसान भाइयों का खास ध्यान रखा गया है। यह इस बात से स्पष्ट है कि कृषि के लिए 40 हजार 916 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कृषि क्षेत्र में अधोसंरचना के विकास का दूरगामी असर होगा। किसान आत्मनिर्भर बनेंगे तो जाहिर है प्रदेश भी आत्मनिर्भर बनेगा। जिन क्षेत्रों में विशेष किस्म की पैदावार होती है उन्हें चिन्हित कर वहां की उपज के निर्यात से समृद्धि के द्वार खुलेंगे। जैसे बुरहानपुर का केला, सिवनी का सीताफल, इंदौर के आलू और मंदसौर जिले के लहसुन उत्पादकों को इनके निर्यात से आत्मनिर्भरता प्रदान करने का प्रयास एक सराहनीय कदम है। खेती के साथ पशुपालन एक सहायक उद्योग के रुप में जाना जाता है। 150 करोड़ की लागत से पशुपालन विकास योजना की पहल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तो बढ़ाएगी ही दूध की उपलब्धता में भी वृद्धि करेगी। वैसे भी प्रदेश इस मामले में राष्ट्रीय औसत से आगे है। मत्स्य पालन के लिए भी 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। शिवराज सरकार के इस बजट से निश्चित ही कोरोना के कारण संकट में पड़ी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में खासी मदद मिलेगी। प्रदेश में नौ नए मेडिकल कॉलेज खोलकर मेडिकल की सीटें बढ़ाने से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा और मेडिकल शिक्षा के लिए विदेशों का मुंह ताकने की नौबत नहीं आएगी। कुल मिलाकर बजट को दूरगामी परिणाम देने वाला कहा जा सकता है। मध्यप्रदेश के इस विकासोन्मुखी बजट के दूसरे ही दिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने भी सबका साथ सबका विकास की नीति पर एक तरह से स्वीकृति की मुहर लगा दी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भाजपा की विकास की नीति के आगे महंगाई, बेरोजगारी और जातिवाद के सारे समीकरण नाकारा साबित हो गए। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में तो किसानों का तथाकथित आंदोलन भी नतीजों पर असर दिखाने में असहाय साबित हुआ। पंजाब में भी इसका असर आंशिक ही कहा जाएगा, क्योंकि मतदाता ने आंदोलन का समर्थन करने वाली कांग्रेस पार्टी और अकाली दल को ही धूल चटा दी। पंजाब में भाजपा वैसे ही हाशिए पर रही है। कांग्रेस की आपसी लड़ाई से आजीज आ चुके मतदाता ने आम आदमी पार्टी को भारी बहुमत से जीता दिया। कांग्रेस और अकाली दल के दिग्गज औंधे मुंह गिरे। इन नतीजों ने 2024 के आम चुनाव में भाजपा की राह को निश्चय ही सुगम बना दिया है।

बृजेश त्रिपाठी

विनाश की ओर ले जाएगा नस्ली राष्ट्रवाद

■ प्रदीप कुमार

यूक्रेन पर हमला करते समय रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय संधियों, कानूनों, परंपराओं और मर्यादाओं का नृशंस हनन कर डाला। उन्होंने स्वतंत्र, संप्रभु यूक्रेनी राष्ट्र के वजूद को नकारते हुए यह मंशा जता दी कि वह वृहत स्लाव रूसी राष्ट्र के अधीन ही रह पाएगा।

यूक्रेन पर रूस के दुर्दांत आक्रमण में निहित भयावह खतरों को सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए लगभग सौ साल पीछे चलना होगा। 1918 में जर्मनी की पराजय के साथ पहले विश्वयुद्ध के खात्मे ने यूरोप का सीन बदल डाला। विजेता पक्ष का निष्कर्ष था कि जर्मन सैन्यवादी-विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं पर कारगर रोक न लगाई गई, तो विश्व शांति फिर भंग होगी। 'अंशलोस' अर्थात जर्मन भाषी ऑस्ट्रिया के जर्मनी में विलय की संशोधनवादी जर्मन राष्ट्रवाद की अभिलाषा अब भी खतरनाक मानी जा रही थी।

इसलिए 1919 की वर्साई संधि ने जर्मनी पर कई कठोर शर्तें लगाने के साथ ही 'अंशलोस' को प्रतिबंधित कर दिया। ठीक उन्नीस साल बाद हिटलर के नेतृत्व में जर्मनी ने ऑस्ट्रिया पर फौजी कब्जा कर लिया। उसी साल हिटलर ने प्रचार शुरू कर दिया कि चेकोस्लोवाकिया के पूर्वी हिस्से, सुडेटनलैंड में जर्मन भाषियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। नाजी सेना सुडेटनलैंड में घुस गई। जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और इटली के बीच हुई म्यूनिख संधि ने जर्मन सैन्यवाद की आग में घी का काम किया।

कुछ महीने बाद हिटलर चेकोस्लोवाकिया को गटक गया। दूसरे विश्व युद्ध के रास्ते पर अनपलट यात्रा निश्चित हो गई। हिटलर के पैटर्न की पुनरावृत्ति देखिए। रूस ने आरोप लगाया कि जार्जिया में रूसी भाषियों का दमन किया जा रहा है। 2008 में 'रूसी अल्पसंख्यकों को बचाने' के लिए रूस ने जार्जिया के उत्तरी सूबों, अब्खाजिया और दक्षिणी ओसेशिया पर अधिकार कर लिया। 2014 में यूक्रेन के स्वायत्त जनतंत्र, क्रीमिया पर रूसी सेना का आधिपत्य हो गया। यहां भी बहाना वही-रूसी भाषी

जनता के हितों को रौंदा जा रहा है।

पिछले महीने यूक्रेन पर हमला करते समय, तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय संधियों, कानूनों, परंपराओं और मर्यादाओं का नृशंस हनन कर डाला। उन्होंने स्वतंत्र, संप्रभु यूक्रेनी राष्ट्र के वजूद को नकारते हुए यह मंशा जता दी कि वह वृहत स्लाव रूसी राष्ट्र के अधीन ही रह पाएगा। यह गति उस यूक्रेन की होने जा रही है, जो सोवियत संघ का हिस्सा होते हुए भी 1945 से 1991 तक संयुक्त राष्ट्र का सदस्य था और 1991 में सोवियत विघटन के बाद से अब तक इस विश्व संगठन का सदस्य है।

जिंदगी का बड़ा हिस्सा खुफिया एजेंसी, केजीबी में गुजारने के कारण पुतिन को इतिहास पढ़ने और उससे सीख लेने का मौका शायद नहीं मिला। अक्तूबर सोवियत क्रांति के नायक लेनिन को कोसते हुए वह कहते हैं कि यूक्रेन का कबाड़ा उनकी वजह से हुआ। उनकी समझ में यही नहीं आ रहा कि लेनिन समाजवादी क्रांति के नायक थे, विस्तारवादी स्लाव राष्ट्र के उन्नायक नहीं। लेनिन और उनके सहयोगियों के नेतृत्व में सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी सर्वानुमति पर आधारित समाजवादी राज्य चलाना चाहती थी। इसी विचार से प्रेरित सोवियत संविधान ने 15 घटक जनतंत्रों को अलग हो जाने का अधिकार दिया था। ऐतिहासिक त्रासदी है कि खुद मुख्तारी का सपना कागजों पर ही रह गया। 15 जनतंत्रों को मिलने वाली आजादी हंगरी और चेकोस्लोवाकिया तक को नहीं नसीब हो पाई। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश उसके लिए अच्छे-खासे दोषी हैं।

भारत के राष्ट्रीय हितों की दृष्टि से देखें, तो पुतिन ने दो विध्वंसकारी नजीरें पेश की हैं। एक, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण। दो, संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र का उल्लंघन करते हुए, नस्ली आधार पर अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त देशों में सैनिक हस्तक्षेप। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और भू-राजनीति में असंभव कुछ नहीं होता, इसलिए एक सिनेरियो की कल्पना करते हैं।

तिब्बत उसका है और तवांग तिब्बत का हिस्सा था। अरुणाचल प्रदेश की जनता और तिब्बत की जनता बौद्ध धर्म की एक ही शाखा की अनुयायी हैं। इस आधार पर वह विराट सैन्य शक्ति के साथ अरुणाचल को हथियाने के लिए हमला कर देता है। या, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार के साथ चीन की सैनिक संधि हो जाती है। चीन के उकसावे पर पाकिस्तान मुस्लिम बहुल कश्मीर घाटी को कब्जाने की एक और कोशिश करता है।

नेपाल निश्चित सीमाओं की उपेक्षा करते हुए मांग करता है कि सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग और अन्य इलाके भारत लौटा दे। या म्यांमार ईस्ट इंडिया कंपनी और बर्मा के बीच 1826 की यांदाबू संधि पर पुनर्विचार और सीमाओं के पुनर्निर्धारण की मांग करने लगता है। हान नस्लवादी-विस्तारवादी-प्रभुत्ववादी चीन नाकाबिल एतबार है। यह बात दीगर है कि भारत अपनी भौगोलिक अखंडता के लिए किसी भी हद तक चला जाएगा।

चिंता का विषय यह भी है कि अमेरिका के यूरोप में फंस जाने से चीन के लिए अप्रत्याशित अनुकूल और भारत के लिए कुछ प्रतिकूल स्थिति पैदा हो गई है। अमेरिकी विशेषज्ञ चीन के इस आकलन से मोटे तौर पर सहमत हैं कि 2030 तक चीन का सकल राष्ट्रीय उत्पाद अमेरिका से आगे निकल जाएगा। चीन का प्रारंभिक लक्ष्य 2049 में कम्युनिस्ट पार्टी के शासन की शताब्दी तक विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली ताकत बन जाने का था। अमेरिका उससे पहले पीछे छूट चुका होगा? इस प्रश्न का उत्तर भविष्य के गर्भ में है।

1914 में प्रथम विश्व युद्ध शुरू होने के समय ब्रिटेन ने क्या कल्पना भी की होगी कि महज तीन दशक में वह थका-मांदा मुल्क होगा और जिस बर्तानिया की हुकूमत में कभी सूर्यास्त नहीं होता था, उसका अवसान हो जाएगा। मार्च, 2021 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चीन की संसद में दूरगामी महत्व के भाषण में कहा था, 'मातृभूमि के संपूर्ण पुनः एकीकरण का ऐतिहासिक कार्य अवश्य किया जाना चाहिए और हर हालत में होगा।' भ्रम नहीं होना चाहिए कि 'पुनः एकीकरण' सिर्फ ताइवान तक सीमित रहेगा। आठ महीने बाद चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की बीसवीं कांग्रेस में नए लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। शीत युद्ध के दौरान माओत्से तुंग ने कहा था, 'जब दो बाघ लड़ रहे होते हैं, बुद्धिमान बंदर पहाड़ पर बैठकर देखता है।' यूक्रेन संकट चीन के लिए वही एक अवसर है। दो बाघों और एक बुद्धिमान बंदर के बरक्स भारत कहां है, और कहां होना चाहिए, दलगत राजनीति से परे इस पर गंभीर विचार करने की आवश्यकता है।

'हरियाली के रास्ते' के स्वामित्व एवं अन्य विवरण के संबंध में

घोषणा फॉर्म 4 (नियम 8 देखिये)

1.	प्रकाशन का स्थान	: 111/ए–ब्लॉक, शहनाई–II रेसीडेंसी, कनाडिया रोड इंदौर
2.	प्रकाशन की अवधि	: मासिक
3.	मुद्रक का नाम	: बृजेश त्रिपाठी
	क्या भारतीय नागरिक है	: हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	
4.	प्रकाशक का नाम	: बृजेश त्रिपाठी
5.	सम्पादक का नाम	: बृजेश त्रिपाठी
	क्या भारतीय नागरिक है	: हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	
	पता	: 111/ए–ब्लॉक, शहनाई–II रेसीडेंसी, कनाडिया रोड इंदौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूँजी के 1 प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	: बृजेश त्रिपाठी

मैं बृजेश त्रिपाठी एद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक : मार्च 2022

बृजेश त्रिपाठी
प्रकाशक के हस्ताक्षर

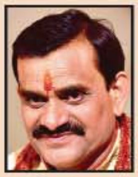

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त सह.) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी.एस. धनवाल (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री रविशंकर भोपे (शा.प्र. गंधवानी) | श्री महेश पाटीदार (शा.प्र. मनावर) | श्री प्रवीण बर्वे (शा.प्र. निसरपुर) | श्रीमती कुसुम मोरे (शा.प्र. सिंघाना) | श्री भोलेसिंह राणा (शा.प्र. बाग) | श्री जितेन्द्रसिंह चौहान (शा.प्र. बाकानेर) | श्री वीरेन्द्र शर्मा (शा.प्र. डही)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गंधवानी, जि.धार
श्री गोविन्द आर्य (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुसारी, जि.धार
श्री प्रवीण उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीपली, जि.धार
श्री रविशंकर भोपे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिंघाना, जि.धार
श्री बाबूलाल गेहलोत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अवल्दामान, जि.धार
श्री अशोक सावनेर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करोली, जि.धार
श्री दिनेश मलतारे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जीराबाद, जि.धार
श्री अमरसिंह भदौरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लंगूर, जि.धार
श्री लक्ष्मण परिहार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिल्दा, जि.धार
श्री नारायण चोयल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देदला, जि.धार
श्री लोकेन्द्रसिंह तंवर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मनावर, जि.धार
श्री मोहन अलावा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाग, जि.धार
श्रीमती पारूल उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बालीपुर, जि.धार
श्री बलराम यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टाण्डा, जि.धार
श्री कैलाश डोडवे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अजन्दा, जि.धार
श्री मनोज हम्मर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लौंगसरी, जि.धार
श्री लखनसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवला, जि.धार
श्री राजेन्द्र पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाकानेर, जि.धार
श्री तुलसीराम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खंडलाई, जि.धार
श्री बालूसिंह वास्केल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मिर्जापुर, जि.धार
श्री वीरेन्द्र कानूनगो (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भानपुरा, जि.धार
श्री सुमेर सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डही, जि.धार
श्री केरमसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निसरपुर, जि.धार
श्री दशरथ पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बड़वान्या, जि.धार
श्री पवन रन्दा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिखल्दा, जि.धार
श्री मोहम्मद मंसूरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. फिफेड़ा, जि.धार
श्री जगतसिंह चौहान (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)
श्री भूपेन्द्र सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)

श्री क्षितिज शर्मा (भारसाधक अधिकारी)
श्री राजेन्द्र सिंह बघेल (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति भोपाल, (जि.भोपाल)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)
श्री भूपेन्द्र सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)

श्री ब्रजेश कुमार सक्सेना (भारसाधक अधिकारी)
श्री जगदीशसिंह परमार (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सीहोर (जि.सीहोर)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)
श्री भूपेन्द्र सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)

श्री विजय मंडलोई (भारसाधक अधिकारी)
श्री राजेश कुमार साकेत (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति आष्टा, (जि.सीहोर)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)
श्री भूपेन्द्र सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)

श्री दिनेशसिंह तोमर (भारसाधक अधिकारी)
श्री राकेश कुमार दुबे (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति नसरुल्लागंज, (जि.सीहोर)

पाँच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे घोषित

उत्तरप्रदेश में योगी दोबारा जीते

पंजाब में आप ने किया कांग्रेस का सफाया, उत्तराखंड में फिर खिला कमल
मणिपुर में मजबूत हुई भाजपा सरकार, गोवा में भाजपा की जीत का कार्निवाल

उत्तरप्रदेश	
403	कुल सीटें
274	भाजपा
124	सपा
2	कांग्रेस
1	बसपा
2	अन्य

पंजाब	
117	कुल सीटें
92	आप
18	कांग्रेस
4	अकाली
2	भाजपा
1	अन्य

गोवा	
40	कुल सीटें
20	भाजपा
2	आप
12	कांग्रेस
2	टीएमसी
4	अन्य

उत्तराखंड	
70	कुल सीटें
48	भाजपा
18	कांग्रेस
4	अन्य

मणिपुर	
60	कुल सीटें
32	भाजपा
5	कांग्रेस
23	अन्य

पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा ने 37 साल पुराने इतिहास को तोड़ते हुए उत्तरप्रदेश में लगातार दोबारा जीत दर्ज की है। वहीं उत्तराखंड और मणिपुर में पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है और गोवा में बहुमत से सिर्फ एक सीट पीछे रही। यह तो तय है कि चारों राज्यों में फिर से भाजपा की सरकार बन रही है। पंजाब में आम आदमी पार्टी को ऐतिहासिक सफलता मिली है। सबसे निराशाजनक प्रदर्शन कांग्रेस कार हा है जिसे पंजाब में न सिर्फ अपनी सत्ता गँवानी पड़ी बल्कि दूसरे राज्यों में भी प्रदर्शन निराशाजनक रहा। खास बात यह है कि पंजाब को छोड़कर सभी चारों राज्यों में भाजपा ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है।

उत्तरप्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सक्षम मुख्यमंत्री की छवि और कड़े फैसले लेने की क्षमता ने जनता पर गहरी छाप छोड़ी है। कानून और व्यवस्था में सुधार के साथ माफिया पर कार्रवाई से आम आदमी में सुरक्षा का भरोसा जागा है। डबल इंजन की सरकार का फायदा आम लोगों को मिला, योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचा।

भाजपा को सूबे में शानदार जीत दिलाकर योगी नए सितारे के रूप में उभरे हैं। मोदी की तरह योगी की छवि भी एक सख्त नेता की है, जो बुलडोजर की

भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में चार राज्यों में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत पर जश्न का माहौल था।

बात करते हैं। उनके राज में उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हुआ, इस कारण महिला वर्ग में योगी की काफी लोकप्रियता है। यह जीत सामान्य जीत नहीं है, बल्कि कसौटी पर खरा उतरकर योगी भाजपा में नेतृत्व की दौड़ में भी शामिल हो गए हैं। योगी के पक्ष में प्रचार करने वाले कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर कहा था कि यह सिर्फ योगी को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने का चुनाव नहीं है, बल्कि इस बार भाजपा की बड़ी जीत पार्टी में योगी की बड़ी भूमिका भी तय कर देगी।

भाजपा के सुनील शर्मा ने बनाया जीत का रिकॉर्ड

उत्तरप्रदेश चुनाव में साहिबाबाद सीट से भाजपा के सुनील कुमार शर्मा ने 214286 वोटों के बड़े अंतर से सपा प्रत्याशी अमरपाल को हराकर सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के नाम था वे बारामती सीट से 2019 में 165265 मतों से जीते थे। 1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से विजयश्री पाने वालों के नाम इस प्रकार हैं :-

प्रत्याशी	पार्टी	सीट	जीत का अंतर
सुनील कुमार शर्मा	भाजपा	साहिबाबाद	214286
पंकज सिंह	भाजपा	नोएडा	181513
तेजपालसिंह नागर	भाजपा	दादरी	138218
अमित अग्रवाल	भाजपा	मेरठ कैंट	117526
पुरुषोत्तम खंडेलवाल	भाजपा	आगरा उत्तर	112370
मनोहर लाल पंथ	भाजपा	महरौनी	110451
श्रीकांत शर्मा	भाजपा	मथुरा	109803
रामरतन कुशवाहा	भाजपा	ललितपुर	107217
अतुल गर्ग	भाजपा	गाजियाबाद	105389
योगी आदित्यनाथ	भाजपा	गोरखपुर शहर	102399

भाजपा की रणनीति के सौ दिन

तमाम चुनौतियों और विपक्षी सपा के मजबूत मुकाबले के बाद भी भाजपा को फिर इतनी बड़ी जीत मिली है तो इसके पीछे संगठन की रणनीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चुनाव अभियान शुरू होने के पहले ही भाजपा ने संगठन को सक्रिय करते हुए समाज के हर वर्ग तक दस्तक दे दी थी। यह 1 अक्टूबर से 8 जनवरी तक वह सौ दिन थे, जिनमें पार्टी ने कुल सौ कार्यक्रम किए, जिनका असर ईवीएम से निकले परिणाम में 255 सीटों के रूप में नजर आया।

सौ दिन के कुछ प्रमुख कार्यक्रम

अक्टूबर : प्रदेश सामाजिक नेता सम्मेलन (पिछड़ा व अनुसूचित वर्ग), सदस्यता अभियान 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार', जनजाति प्रदेश सम्मेलन, मतदाता सूची पुनरीक्षण, क्षेत्रीय चिकित्सक सम्मेलन, मंडल अध्यक्ष व प्रभारियों की क्षेत्रीय बैठक, सोशल मीडिया-आइटी कार्यशाला, जिला उद्यमी बैठक, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ द्वारा एक हजार पार्क सभा व एक हजार मंदिर सभा, मजदूर चौपाल, मिशन शक्ति, किसान शक्ति संवाद।

नवंबर : लघु उद्यमी सम्मेलन, प्रदेश सहकारिता सम्मेलन, पार्षद सम्मेलन, निषाद समाज सम्मेलन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रदेश सम्मेलन, बूथ अध्यक्ष सम्मेलन, कमल शक्ति संवाद, कारीगर-बुनकर सम्मेलन, क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान सम्मेलन, युवोत्थान अभियान, किसान ट्रैक्टर रैली, महिला चौपाल, धम्म सभा, लाभार्थी संपर्क अभियान।

दिसंबर-जनवरी : निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन, अधिवक्ता सम्मेलन, पूर्व सैनिक सम्मेलन, 16 दिसंबर को विजय दिवस पर बलिदानी सैनिक सम्मान, युवा सम्मेलन, पिछड़ा, किसान और अनुसूचित जाति वर्ग के विधानसभा सम्मेलन, बूथ स्तर पर घर-घर संपर्क अभियान।

सौजन्य से

श्री सुनील धनगर (शा.प्र. हरदा) | श्री गोपीकिशन यादव (पर्यवेक्षक हरदा) | श्री सी.पी. भाटी (पर्यवेक्षक हरदा) | श्री राधेशरण बिल्लोरे (शा.प्र. सिराली) | श्री प्रेम कुमार व्यास (पर्यवेक्षक सिराली)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमगाँवकला, जि.हरदा
श्री गंभीर जाट (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अबगाँव खुर्द, जि.हरदा
श्री रामेश्वर जेवलया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धनगाँव, जि.हरदा
श्री देशराम पंवार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भुवनखेड़ी, जि.हरदा
श्री भागवत भाटी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हंडिया, जि.हरदा
श्री अभिषेक तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नांदरा, जि.हरदा
श्री कमल गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेड़ा, जि.हरदा
श्री कमलेश पटौदा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मांगरूल, जि.हरदा
श्री नवीन धनगर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रूपी पटेरिया, जि.हरदा
श्री मुकेश तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बालागाँव, जि.हरदा
श्री हरिप्रसाद गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गहाल, जि.हरदा
श्री पवन धनगर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहनपुर, जि.हरदा
श्री प्रवीण काशिव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नीमगाँव, जि.हरदा
श्री मस्तानसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पलासनेर, जि.हरदा
श्री सुभाष पवार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कडोला, जि.हरदा
श्री पंकज शांडिल्य (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मसनगाँव, जि.हरदा
श्री अखलेश पाटिल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीपलघटा, जि.हरदा
श्री रामकृष्ण विश्नोई (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोनतलाई, जि.हरदा
श्री अनिल जेवलया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिराली, जि.हरदा
श्री किशोरसिंह गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपल्या मकढ़ाई, जि.हरदा
श्री नरेश पगारे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रहटाकला, जि.हरदा
श्री राकेश कुमार जाट (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दीपगाँव, जि.हरदा
श्री अशोक कुमार पारे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोमगाँवकला, जि.हरदा
श्री जयकुमार दोगने (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जूनापानी गौड, जि.हरदा
श्री अनिल उईके (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पटाल्दा, जि.हरदा
श्री अनिल उईके (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

श्री अरविंदसिंह भदौरिया
(सहकारिता मंत्री)
श्री तुलसी सिलावट
(जल संसाधन मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और
मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
खाद तो खाद-बीमा भी साथ
कृषकों से अनुरोध है कि खाद खरीदी के बिल अवश्य
प्राप्त करें क्योंकि बिल ही बीमा पावती है।
कृषि उपकरण प्रदाय, रासायनिक खाद विक्रय,
शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में भागीदारी।
श्री डी.एस. चौहान (प्रशासक)
श्री रमेशचंद्र दयाल (प्रबंधक)
सांवेर सहकारी विपणन संस्था
मर्या. सांवेर, जि.इंदौर
अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रशासक एवं समस्त संचालकगण की ओर से

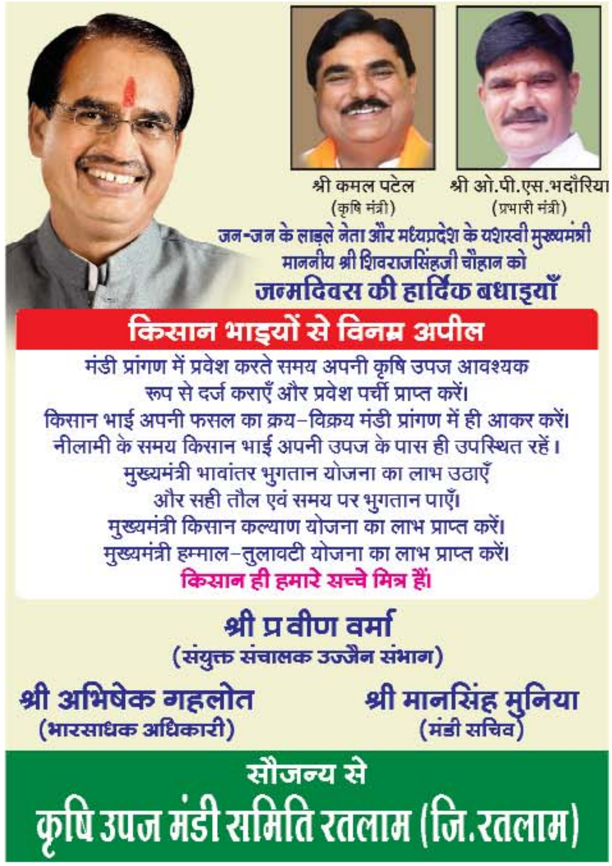
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री ओ.पी.एस.भदौरिया
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)
श्री अभिषेक गहलोत
(भारसाधक अधिकारी)
श्री मानसिंह मुनिया
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति रतलाम (जि.रतलाम)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री ओ.पी.एस.भदौरिया
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)
श्री हिमांशु प्रजापति
(भारसाधक अधिकारी)
श्री आर.के. जैन
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति जावरा (जि.रतलाम)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री ओ.पी.एस.भदौरिया
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)
श्रीमती स्वाति तिवारी
(भारसाधक अधिकारी)
श्री बलवंतसिंह चौहान
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति ताल (जि.रतलाम)

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने पर लखनऊ में उनके आवास पर मुलाकात कर पुष्पगुच्छ देकर शुभकामनाएँ प्रेषित करते ललितपुर जनपद की महरौनी विधानसभा के विधायक श्री मन्नू कोरी और ललितपुर सदर के विधायक श्री रामरतन कुशवाहा।

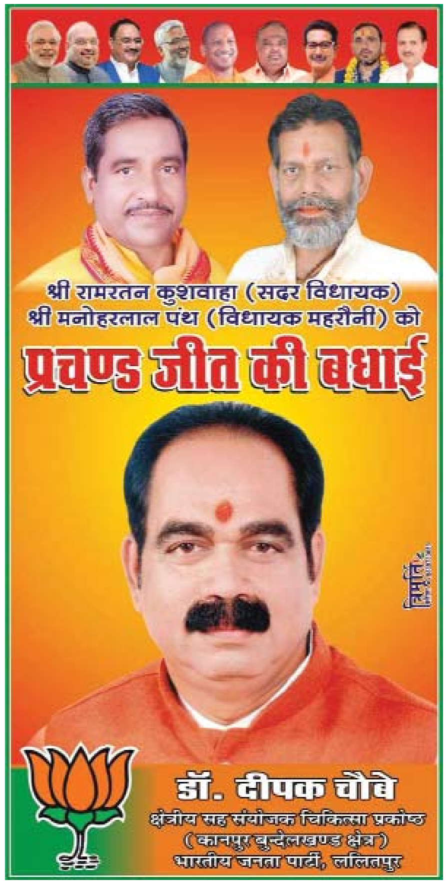

ऐसे हुई भाजपा की सत्ता में वापसी

1. मोदी फैक्टर

इस चुनाव में बीजेपी के चुनाव प्रचार की कमान खुद पीएम मोदी ने संभाली। उन्होंने अपने प्रचार अभियान में सौ से ज्यादा विधानसभा सीटों को कवर किया। इसी दौरान कोरोना के खिलाफ टीकाकरण की कामयाबी, यूक्रेन से भारतीयों की वापसी और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मोदी की लोकप्रियता ने योगी सरकार की वापसी में बड़ी भूमिका निभाई। पीएम मोदी की लोकप्रियता और सीएम योगी आदित्यनाथ के शासन को लेकर जनता के मन में बनी छवि ने तमाम समीकरणों की धज्जियां उड़ा दीं।

2. कानून का शासन, बुलडोजर बना सिंबल

पिछले 5 साल में योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता अच्छी-खासी बढ़ी है। माफिया और अपराधियों के खिलाफ उनके सख्त रवैये ने जनता में विश्वास कायम किया। प्रदेश के बेहतर लॉ एंड ऑर्डर के कारण बीजेपी को जनता का पूरा समर्थन मिला। वहीं बुलडोजर के जिक्र ने लोगों के मन में योगी सरकार की छवि को गहरे से सुदृढ़ किया। दरअसल माफिया और बाहुबलियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाकर सीएम योगी ने निर्भीक और जनता का साथ देनेवाले नेता की छवि बनाई। धीरे-धीरे बुलडोजर सीएम के सबसे बड़े दबंग वाली छवि का प्रतीक बन गया।

3. विकास के एजेंडे पर जोर

बीजेपी ने पूरे चुनाव में हिन्दुत्व और विकास दोनों एजेंडों को साथ-साथ रखा। जहां काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन किया गया तो वहीं जेवर समेत यूपी में पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास-उद्घाटन भी किया गया। इसके अलावा गंगा एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, डिफेंस कॉरिडोर, सरयू नहर परियोजना की सौगात भी यूपी को दी गई। पीएम मोदी ने पिछले 6 महीनों में दर्जनों विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं ने बीजेपी के डबल इंजन वाली विकासोन्मुख छवि को न सिर्फ पुख्ता किया बल्कि विपक्ष के आरोपों की धार को कुंद कर दिया।

4. केन्द्रीय योजनाओं का लाभ

योगी सरकार ने केंद्र की लाभकारी योजनाओं को ना सिर्फ यूपी में बेहतर ढंग से लागू किया, बल्कि जमकर प्रचार भी किया। ये बीजेपी सरकार के लिए गेमचेंजर साबित हुआ। उज्ज्वला, पीएम आवास योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का महिलाओं को लाभ हुआ, जो इस चुनाव में बीजेपी के लिए वोट में तब्दील हो गए। इसके अलावा फ्री राशन वाली स्कीम ने गरीबों को योगी सरकार के पक्ष में कर दिया।

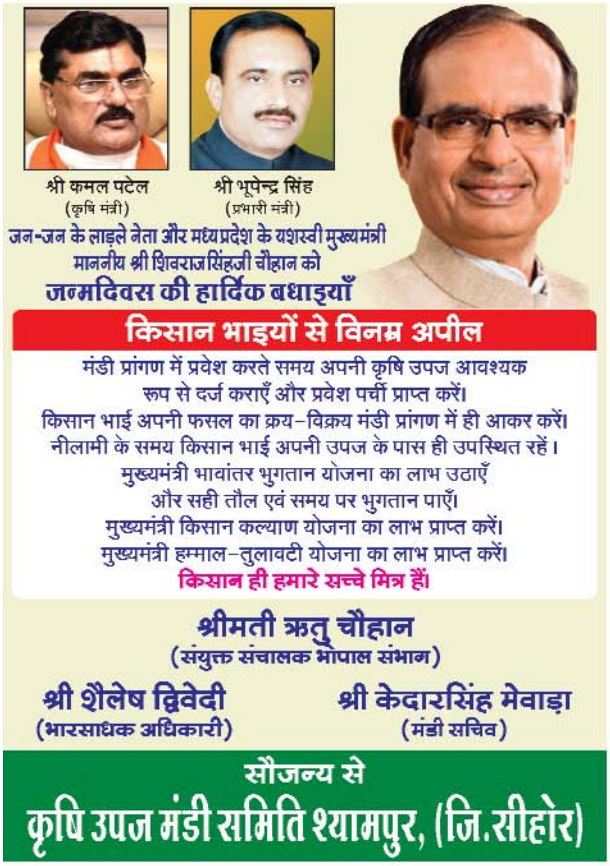
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री भूपेन्द्र सिंह
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)
श्री शैलेष द्विवेदी
(भारसाधक अधिकारी)
श्री केदारसिंह मेवाड़ा
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति श्यामपुर, (जि.सीहोर)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री भूपेन्द्र सिंह
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)
श्री विष्णुप्रसाद यादव
(भारसाधक अधिकारी)
श्री राकेशचंद्र गुप्ता
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति इछावर, (जि.सीहोर)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री भूपेन्द्र सिंह
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)
श्री कन्हैयालाल तिलवारी
(भारसाधक अधिकारी)
श्री फरियाद खान
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति रेहटी, (जि.सीहोर)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री भूपेन्द्र सिंह
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)
डॉ. अम्बर पंथी
(भारसाधक अधिकारी)
श्री नारायणसिंह चौहान
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बकतरा, (जि.सीहोर)

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिन की बधाइयाँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

श्रीमती मीना डाबर
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री ए.के.हरसोला
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

श्री गजेन्द्र अत्रे
(वित्त प्रबंधक)

सौजन्य से

श्री विजय कुमार अवास्या (शा.प्र. मूँदी)
श्री बृजलाल पटेल (पर्यविक्षक मूँदी)
श्री पी.सी. पाटीदार (शा.प्र. कालमुखी)
श्री शोभाराम मेहरा (पर्यविक्षक कालमुखी)
श्री ओ.पी. यादव (शा.प्र. सुलगाँव)
श्री विजय परदेशी (पर्यविक्षक सुलगाँव)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालसूदमाल, जि.खंडवा
श्री बृजलाल पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जलकुआं, जि.खंडवा
श्री सोभागसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोमगाँव, जि.खंडवा
श्री योगेश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बांगरदा, जि.खंडवा
श्री सतीश पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरखेड़ाखुर्द, जि.खंडवा
श्री राधेश्याम पवार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बीड़, जि.खंडवा
श्री राजेन्द्र सुनेरे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुयड़ा, जि.खंडवा
श्री विजय ओनकर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिचलीखुर्द, जि.खंडवा
श्री विजय ओनकर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भगवानपुरा, जि.खंडवा
श्री बृजलाल पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मूँदी, जि.खंडवा
श्री योगेन्द्र महोदय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पूरनी, जि.खंडवा
श्री प्रवीण श्रीवास्तव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जामकोटा, जि.खंडवा
श्री अनिल मौर्य (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहना, जि.खंडवा
श्री भँवरसिंह तोमर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कालमुखी, जि.खंडवा
श्री शोभाराम पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुगवाड़ा, जि.खंडवा
श्री धन्नालाल पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिचगोहन, जि.खंडवा
श्री शिवाजी गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खुटला, जि.खंडवा
श्री जितेन्द्रसिंह तोमर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अटूटखास, जि.खंडवा
श्री विनय सातले (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोराड़ीमाल, जि.खंडवा
श्री जितेन्द्र यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. फिफराड़, जि.खंडवा
श्री यशवंत राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अत्तर, जि.खंडवा
श्री मुरार पाटिल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भोगाँवा, जि.खंडवा
श्री विजय परदेशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घोघलगाँव, जि.खंडवा
श्री विजय परदेशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुलगाँव, जि.खंडवा
श्री विजय परदेशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गौल, जि.खंडवा
श्री दन्दू जायसवाल (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

5. प्रदेश की आर्थिक तरक्की

सीएम योगी के कार्यकाल में प्रदेश की आर्थिक तरक्की भी हुई। सीएम ने बताया कि जब यूपी में अखिलेश यादव सरकार थी, तब प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में छठे स्थान पर थी। वहीं यूपी में बीजेपी की सरकार बनने के बाद पिछले 5 साल में प्रदेश आर्थिक क्षेत्र में छलांग मारकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। उनके इन बयानों और भाषणों में यूपी की आर्थिक तरक्की को लगातार स्थान मिला और इसने बुद्धिजीवियों में उनकी छवि बेहतर की। पढ़े-लिख शहरी वर्ग को ये आर्थिक विकास का तर्क ज्यादा पसंद आया।

6. परिवारवाद और जातिवाद

पीएम मोदी और सीएम योगी ने परिवारवाद और जातिवाद के मुद्दे को हवा देते हुए एक साथ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों को निशाना बनाया। अखिलेश सरकार के समय उनके यादव रिश्तेदारों की नियुक्ति किसी से छिपी हुई नहीं थी। इसके अलावा उनके अल्पसंख्यकों के समर्थन में हिन्दू हितों की अनदेखी करने की बात भी सबको मालूम थी। इसके अलावा जातिगत समीकरण साधने के लिए समाजवादी पार्टी ने ओबीसी समुदाय की तकरीबन सभी जातियों का एक विशाल इंद्रधनुषीय गठबंधन बनाया था। जनता में इससे यही संदेश गया कि ये सरकार सत्ता में आने के बाद भी विकास के बजाए इन्हीं सब खेल में जुटी रहेगी।

7. पिछली सरकार की गलतियां

अखिलेश यादव के शासनकाल में 2013 में भड़का मुजफ्फरनगर का दंगा इस बार भी सपा के लिए भारी साबित हुआ। बीजेपी ने अपने चुनावी कैंपेन में सपा पर 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों को भड़काने और दोषियों को शरण देने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ये दावा कि उनकी सरकार आने के बाद यूपी सांप्रदायिक दंगों से मुक्त हो गया, सच्चा साबित हुआ। तुलनात्मक रुप से लोगों को सीएम योगी की बात सही लगी।

8. गलत लोगों को टिकट

अखिलेश यादव ने कई ऐसे माफिया तत्वों को टिकट दिया, जो उनकी छवि खराब कर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने 2016 में कैराना से हिंदुओं के पलायन के लिए जिम्मेदार माने जाने वाले गैंगस्टर नेता नाहिद हसन को भी टिकट दिया। नाहिद हसन पर कैराना में रहने वाले हिंदुओं को धमकाने और उनकी संपत्तियों पर कब्जा करने का आरोप था। बीजेपी ने अपनी कई सभाओं में इस मुद्दे को उठाया और हिन्दू वोटों को एकजुट किया।

9. मुस्लिम मतों का विभाजन

उत्तर प्रदेश चुनावों में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने भी समाजवादी पार्टी को अच्छा नुकसान पहुंचाया। पार्टी ने कुल 103 सीटों पर उम्मीदवार उतारे। यूपी में 143 सीटें मुस्लिम बहुल सीटें मानी जाती हैं। खास बात ये थी कि जिन मुस्लिम बहुल सीटों पर ओवैसी ने कैंडिडेट उतारे, वो पारंपरिक रूप से सपा-बसपा के गढ़ रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस ने भी पढ़े-लिखे मुस्लिम वोटरों का कुछ हिस्सा हासिल किया। वोटों की वजह से मुस्लिम बहुल इलाकों में बाहुबली मुस्लिम प्रत्याशी भी चुनाव हार गये। ओवैसी के उतरने से मुस्लिम वोट बैंक में खासी सेंध लगी और सपा गठबंधन को सीटों का खासा नुकसान पहुंचा।

10. मायावती का फैक्टर

पूरे यूपी चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती शांत रहीं। उन्होंने न तो बहुत ज्यादा चुनावी रैलियां की और न ही ज्यादा बयानबाजी कीं। लेकिन उनकी पार्टी ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा। यूपी में दलित वोट करीब 21 फीसदी हैं। शुरू में यह कांग्रेस के साथ था, जो बाद में बसपा की तरफ चला गया। ऐसे में उनकी पार्टी ने ना तो सीटें हासिल कीं और ना ही अपने पारंपरिक दलित वोटों को एसपी के पाले में जाने दिया। मुफ्त राशन से प्रभावित होकर दलितों का बड़ा हिस्सा बीजेपी के पाले में गया तो बाकी का विभिन्न पार्टियों में बंटवारा हो गया। इसका सबसे ज्यादा नुकसान समाजवादी पार्टी को हुआ, जो दलित वोटों के आधार पर जीत का सपना देख रही थी।

बजट में सबसे ज्यादा राशि खेती-किसानों के लिए

279237

करोड़ रुपये का कुल बजट

247715
करोड़ रुपये कुल व्यय

3736
करोड़ रुपये राजस्व घाटा

मध्यप्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वर्ष 2022-23 का बजट पेश किया। बजट में जहाँ किसान, गरीब, गाँव के लिए खजाने का मुँह खोला गया वहीं शहरों में आधारभूत ढाँचा मजबूत करने का संकल्प भी बजट में दिखाई देता है। युवा, महिला और बुजुर्गों के लिए बजट उम्मीदों से भरा है तो बच्चों के लिए पहली बार अलग से बजट पेश करके सरकार ने साबित किया कि वह हर वर्ग के लिए संवेदनशील है। बजट में सबसे ज्यादा धनराशि खेती-किसानी के लिए ही रखी है। सरकार ने किसानों व ग्रामीणजनों का ध्यान कुछ इस तरह रखा है कि किसान में खुशहाली आएगी। सहकारिता क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जैविक कृषि, उद्यानिकी, पर्यटन, ऊर्जा व अन्य क्षेत्रों में सहकारी आंदोलन का विस्तार किया जाएगा। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की आर्थिक सेहत सुधारने के लिए एक हजार करोड़ रुपये निवेश किये जाएँगे। किसानों को ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराने के लिए सहकारी बैंकों को 600 करोड़ रुपये का ब्याज अनुदान मिलेगा।

40916	करोड़ रु. खेती-किसानी के लिए
5877	करोड़ रु. महिला क्षेत्र के लिए
32843	करोड़ रु. शिक्षा क्षेत्र के लिए
1100	करोड़ रु. स्व-सहायता समूहों के लिए
10380	करोड़ रु. सेहतमंद प्रदेश के लिए
6300	करोड़ रु. जल जीवन मिशन के लिए

कृषि क्षेत्र के लिए सरकार ने बजट में 40916.43 करोड़ रुपये प्रस्तावित किये हैं। मध्यप्रदेश में लघु एवं सीमांत किसानों की संख्या लगभग 70 लाख है। अब तक यह वर्ग संसाधनों के अभाव में बड़े किसानों पर निर्भर रहता आया है। इस बार सरकार ने बजट में 2 हेक्टेयर तक जोत वाले छोटे किसानों को कस्टम प्रोसेसिंग सेंटर योजना से जोड़ा है। इससे किसानों को कीटनाशकों एवं उर्वरकों के छिड़काव के लिए ड्रोन सुविधा का लाभ मिलेगा। वर्ष 2025तक सिंचाई क्षमता 65 लाख हेक्टेयर करने में जो लक्ष्य रखा है वह स्वागत योग्य है। इससे प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ जाएगी।

वित्तमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि मध्य प्रदेश में 13 हजार टीचर्स की नियुक्ति की जाएगी, सागर और उज्जैन में सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। भोपाल में ग्लोबल स्किल पार्क शुरू हो रहे हैं, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क को मंजूरी दी गई है। उद्योगों को रियायती दरों पर रियायत पर जमीन दी जाएगी। राज्य में 11 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। इससे 11 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर विकसित होंगे। मध्य प्रदेश में इस बार कोई नया कर नहीं लगाया गया। 2 लाख 79 हजार 237 करोड़ का कुल बजट है। बजट में इस बार चाइल्ड बजट भी पेश किया गया।बजट में महंगाई भत्ता 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 31 प्रतिशत किया गया है।

बजट आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश का संकल्प है

वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश का संकल्प है। उन्होंने कहा-सरकार पूरी तरह से अन्नदाताओं के साथ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिन की बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री दशरथ मंडलोई (शा.प्र. सनावद)
श्री लक्ष्मीनारायण भटोरे (पर्य. सनावद)
श्री विष्णु पटेल (शा.प्र. बड़वाह)
श्री अनिल मालाकार (शा.प्र. राजपुर)
श्री जगन अंजने (पर्यवेक्षक राजपुर)

श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

श्री विनोद कुमार सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री राजेन्द्र आचार्य
(प्रभारी सीईओ)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बड़ूद, जि.खरगोन
श्री घनश्याम बिर्ला (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. ढकलगाँव, जि.खरगोन
श्री रमेश बिर्ला (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बासवां, जि.खरगोन
श्री तुलसीराम रेवापाटी (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बांगर्दा, जि.खरगोन
श्री बाबूलाल यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. खमलाय, जि.खरगोन
श्री रमेशचंद बिर्ला (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. राजपुरा, जि.खरगोन
श्री रामजी पटवारिया (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. भौमवाड़ा, जि.खरगोन
श्री मुकेश मोरे (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. आली बु., जि.खरगोन
श्री श्रीराम मुछाला (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. भानबरड़, जि.खरगोन
श्री महेन्द्रसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. हीरापुर, जि.खरगोन
श्री यशवंत मुछाला (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. दौड़वा, जि.खरगोन
श्री लोकेन्द्र सिंह रावत (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बड़वाह, जि.खरगोन
श्री दरयाव पटेल (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. सिरलाय, जि.खरगोन
श्री मन्नालाल हेमचा (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. जगतपुरा, जि.खरगोन
श्री रमेश रघुवंशी (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. उमरिया, जि.खरगोन
श्री किशोर धुरकरी (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. किठूद, जि.खरगोन
श्री सोहनसिंह राजावत (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. रतनपुर, जि.खरगोन
श्री जगदीश चाचरिया (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. माचलपुर, जि.खरगोन
श्री गोविंद यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. राजपुर, जि.बड़वानी
श्री सीताराम भोमरे (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. सनगाँव, जि.बड़वानी
श्री भगवान यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. दानोद, जि.बड़वानी
श्री रमेश मुजाल्दे (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. रणगाँव डेब, जि.बड़वानी
श्री मालूराम परिहार (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. भागसुर, जि.बड़वानी
श्री लक्ष्मण चौहान (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री भूपेन्द्र सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)

श्री रत्नेश श्रीवास्तव (भारसाधक अधिकारी) **श्री प्रहलाद सिंह** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति जावर, (जि.सीहोर)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री भूपेन्द्र सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्रीमती ऋतु चौहान
(संयुक्त संचालक भोपाल संभाग)

श्री लखनलाल सोनानिया (भारसाधक अधिकारी) **श्री वीरेन्द्र कुमार आर्य** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति ओबेदुल्लागंज, (जि.रायसेन)

श्री अरविंदसिंह भदौरिया (सहकारिता मंत्री) श्री कैलाश विजयवर्गीय (भाजपा महासचिव)

**जन-जन के लाड़ले नेता और
मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ**

खाद तो खाद-बीमा भी साथ

कृषकों से अनुरोध है कि खाद खरीदी के बिल अवश्य
प्राप्त करें क्योंकि बिल ही बीमा पावती है।
कृषि उपकरण प्रदाय, रासायनिक खाद विक्रय,
शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में भागीदारी।

श्रीमती भारती मनोहर पाटीदार (अध्यक्ष)
श्री प्रदीप सिंह (प्रबंधक)

**देवी श्री अहिल्या सहकारी विपणन एवं
प्रक्रिया संस्था मर्या. इंदौर, जि. इंदौर**

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समस्त संचालकगण की ओर से

श्री अरविंदसिंह भदौरिया (सहकारिता मंत्री) श्री मनोज पटेल (विधायक)

**जन-जन के लाड़ले नेता और
मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ**

खाद तो खाद-बीमा भी साथ

कृषकों से अनुरोध है कि खाद खरीदी के बिल अवश्य
प्राप्त करें क्योंकि बिल ही बीमा पावती है।
कृषि उपकरण प्रदाय, रासायनिक खाद विक्रय,
शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में भागीदारी।

श्री जी.एस. परिहार (प्रशासक)
श्री शिवनारायण बैरागी (प्रबंधक)

**आदर्श सहकारी विपणन संस्था
मर्या. देपालपुर, जि.इंदौर**

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रशासक एवं समस्त संचालकगण की ओर से

वित्तीय प्रबंधन का उत्तम उदाहरण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वर्ष 2022-23 का बजट वित्तीय प्रबंधन का उत्तम उदाहरण है। प्रस्तुत बजट आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का बजट है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के वैभवशाली, गौरवशाली, सम्पन्न और समृद्ध भारत के निर्माण के स्वप्न और संकल्प को पूर्ण करने का बजट है। यह बजट केवल अर्थ-शास्त्रियों और अधिकारियों ने ही नहीं बनाया अपितु यह जनता के सुझावों के आधार पर भी बनाया गया है। जन-सामान्य से आमंत्रित कई सुझावों को बजट में सम्मिलित किया गया है। यह सर्वस्पर्शी बजट है, क्योंकि यह गरीब कल्याण का बजट है। गरीबों को राशन मिलता रहे, हर गरीब का पक्का मकान बने, हर गरीब के घर पीने का पानी पहुँचे, गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा की बेहतर व्यवस्था हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया है।

सहकारिता को दिया अभूतपूर्व सहारा

सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया ने कहा कि प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को मजबूती देने के लिए शिवराज सरकार नवाचार को बढ़ावा देगी। जैविक कृषि, उद्यानिकी, पर्यटन, ऊर्जा व अन्य क्षेत्रों में सहकारी आंदोलन का विस्तार किया जाएगा। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की आर्थिक सेहत सुधारने के लिए 1000 करोड़ रु. निवेश किये जाएँगे। किसानों को ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराने के लिए सहकारी बैंकों को 600 करोड़ रु. का ब्याज अनुदान मिलेगा। पहली बार सहकारी नीति भी लागू की जा रही है। सभी साढ़े चार हजार समितियों को कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा। सरकार ने अब तक प्रधानमंत्री फसल बीमा के लगभग 17 हजार करोड़ रु. किसानों के खातों में भेजे गए हैं।

किसानों की आय दोगुना होगी

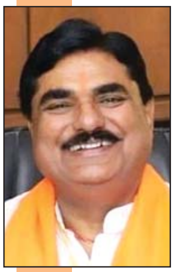

किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने विधानसभा में प्रस्तुत बजट को आत्म-निर्भर भारत के सपने को साकार करने वाला बताया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश का बजट किसान, गरीब, महिलाओं, बुजुर्ग, बच्चों और युवाओं को समर्पित है। बजट में कृषि और अन्य संबद्ध विभागों के लिए 40 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों की आय को दोगुना करने में मदद मिलेगी और देश एवं प्रदेश खुशहाल होगा। राज्य सरकार ने एक लाख 72 हजार करोड़ रूपये की राशि किसानों को लाभान्वित करने के लिए खातों में अंतरित की है। मध्यप्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद प्रचलित दर (जीएसडीपी) वर्ष 2020-21 की तुलना में 2021-22 में 19.74 रही है, जो देश में सर्वाधिक है।

गाँवों का समग्र विकास होगा

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार का वर्ष 2022-23 का बजट प्रदेश के गाँवों का समग्र विकास, नारी सशक्तिकरण एवं सब के लिए पक्के आवास सुनिश्चित करेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराएगा। इन सभी कार्यों के लिए बजट में गत वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक प्रावधान किए गए हैं। ग्रामीण महिलाओं के सशक्ति करण के लिए महिला सहायता समूहों को प्रतिवर्ष 2000 करोड़ रुपए का क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराया जाएगा। ग्रामीण स्व सहायता समूहों के लिए योजनाओं को वृहद रूप में क्रियान्वित करने के लिए 1100 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान प्रस्तावित है। यह वर्ष 2021-22 के बजट अनुमान से लगभग 141 अधिक है।

है। प्रदेश में सिंचाई क्षमता 43 लाख हेक्टेयर में पहुंची है। 48 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की व्यवस्था। 21 हजार करोड़ रुपये की बिजली सब्सिडी दी गई। 2500 करोड़ बिजली सब्सिडी देने का प्राविधान किया गया। 4000 किमी सड़के बनाने का लक्ष्य इस साल। अटल प्रगति पथ का काम शुरू हो चुका है।

जल जीवन मिशन सरकार की प्राथमिकता

वित्त मंत्री ने कहा, मध्य प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2011-12 से 2021-22 की अवधि में स्थिर भावों पर 7.09 प्रतिशत औसत वृद्धि दर्ज की गई है। प्रदेश में 48 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की व्यवस्था की गई। अब 4 हजार किमी सड़क बनाने का लक्ष्य है। वित्तमंत्री ने बजट भाषण में कहा, प्रदेश में राजस्व घाटा 18356.22 करोड़ रुपये रहा। जल-जीवन मिशन के तहत घर-घर पानी पहुंचाया गया है। बुरहानपुर जिले में हर घर को नल से जोड़ा गया। जल जीवन मिशन सरकार की प्राथमिकता है। ग्रामीण अंचलों में विकास की रफ्तार बढ़ी है। मध्य प्रदेश की फसलों को जीआइ टैग दिलाने का प्रयास जारी है। गोव संवर्धन के लिए मध्य प्रदेश में नई योजनाए शुरू की जाएगी।

मध्य प्रदेश में 360 सीएम राइज स्कूल खोलने का लक्ष्य

2020-21 में राजकोषीय घाटा 49869.29 करोड़ रुपए रहा, 2021-22 में राजस्व घाटा 5701.14 करोड़ रुपये रहने की संभावना है। 2021-22 में राजस्व प्राप्तियों का पुनरीक्षित अनुमान 171697.24 करोड़ है जो बजट अनुमान 164677.45 करोड़ से 4.26 प्रतिशत अधिक है। सीएम राइज योजना के तहत मध्य प्रदेश 360 स्कूल खोलने का लक्ष्य है।

मध्य प्रदेश के सागर, शाजापुर और उज्जैन में सोलर प्लांट बनेंगे।

पर्यटन स्थलों पर नए रोजगार

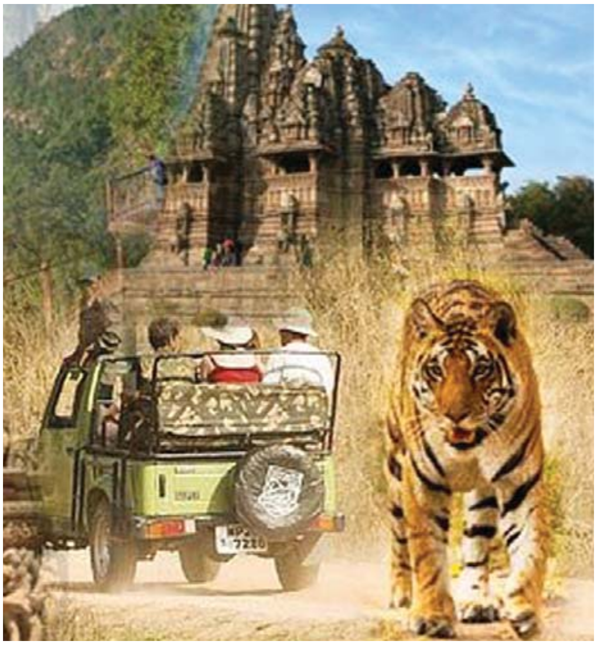

वित्तमंत्री ने कहा मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर नए रोजगार शुरू किए जाएंगे। मध्य प्रदेश में 31 लाख हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाएगा, इसके लिए 10 हजार करोड़ का प्राविधान रखा गया है। प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए सरकार लगातार बेहतरी का प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 12 हजार खिलाड़ियों की प्रतिभागिता का अनुमान है। प्रदेश में नवीन हवाई पटिट्यों का निर्माण कार्य जारी। युवाओं को रोजगार ऋण प्रदान किया जाएगा। मध्य प्रदेश में मछली उत्पादन बढ़ा है। यह 3776 करोड़ रुपए के घाटे का बजट है।

10345 करोड़ से प्राथमिक शालाएँ बनेंगी

मध्य प्रदेश के बजट में सरकारी प्राथमिक शालाओं की स्थापना के लिए 10345 करोड़ का प्राविधान किया गया है। माध्यमिक शालाओं के लिए 6212 करोड़ का प्राविधान। समग्र शिक्षा अभियान हेतु 3908 करोड़ का प्राविधान। प्राथमिक शालाओं हेतु 3383 करोड़ का प्राविधान। शासकीय हाइ, हायर सेकेंड्री शालाओं हेतु 3160 करोड़ का प्राविधान। कला, विज्ञान तथा वाणिज्य महाविद्यालय हेतु 2109 करोड़ का प्राविधान। माध्यमिक शालाओं के लिए 1898 करोड़ का प्राविधान किया गया है। शासकीय स्कूल, छात्रावास, पुस्तकालय, आवासीय खेलकूद भवनों का निर्माण एवं विस्तार हेतु 253 करोड़ का प्राविधान है। अशासकीय शालाओं को अनुदान हेतु 200 करोड़ का प्राविधान। शिक्षा उपकर से ग्रामीण शालों का उन्नयन एवं संधारण हेतु 166 करोड़ का प्राविधान। निश्शुल्क पाठ्य सामग्री का प्रदाय हेतु 109 करोड़ का प्राविधान और हाई और हायर सेकेंड्री स्कूलों में पढ़ने लिखने की बैठक व्यवस्था एवं प्रयोगशाला हेतु 100 करोड का प्राविधान किया गया है।

3 हजार किमी नई सड़कें बनेगी

मध्य प्रदेश सरकार 48,800 करोड़ रुपये सरकार अधोसंरचना पर खर्च करेगी। सरकारी प्राथमिक शालाओं की स्थापना हेतु 10345 रुपए का प्राविधान है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर में पीपीपी माडल पर 217 इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। तीन हजार किमी की नई सड़कें बनेंगे। एक हजार 250 किमी सड़क का नवीनीकरण होगा। 88 पुल-पुलियों का निर्माण किया जाएगा। सरकारी भवनों के निर्माण के लिए नई कंपनी बिल्डिंग डेवलपमेंट कार्पोरेशन का गठन किया जाएगा। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के लिए क्वालिटी एश्योरेंस काउंसिल का गठन। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 2000 करोड़ों रुपए का प्राविधान है, निवेश प्रोत्साहन योजना के लिए 1450 करोड़ रुपए का प्राविधान है। आंगनवाड़ी सेवाएं और पोषण

मिशन के लिए 1192 करोड़ रुपए का प्राविधान है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत एक हजार 200 किमी सड़क निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। नगरीय सड़कों के लिए बजट में 608 करोड़ रुपय का प्राविधान है।

9 नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे

स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में बजट में पुरानी योजनाओं पर पर्याप्त बजट रखा गया है। प्रदेश में 9 नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए बजट में 300 करोड़ रु. का प्रविधान है। एमबीबीएस की सीटें बढ़ाने के लिए 109 करोड़ रुपये अतिरिक्त रखे गए हैं। बीएससी नर्सिंग की सीटें 390 से बढ़ाकर 810 करने का भी बजट में प्रविधान किया गया है।

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री बृजेन्द्रसिंह यादव
(प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्रीमती शैली कनाश
(भारसाधक अधिकारी)

श्री डी.सी. राजपूत
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति शाजापुर (जि.शाजापुर)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री बृजेन्द्रसिंह यादव
(प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री मुकेश सांवले
(भारसाधक अधिकारी)

श्री मनोहर परमार
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति अकोदिया (जि.शाजापुर)

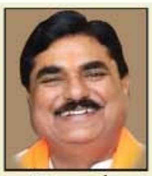

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्रीमती यशोधरा राजे
सिंधिया (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री राजेन्द्रसिंह रघुवंशी
(भारसाधक अधिकारी)

श्री हरगोविंद सोनगरा
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति आगर (जि. आगर)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्रीमती यशोधरा राजे
सिंधिया (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री देवेन्द्र दानगड़
(भारसाधक अधिकारी)

श्री भारतसिंह चौहान
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सुसनेर (जि.आगर)

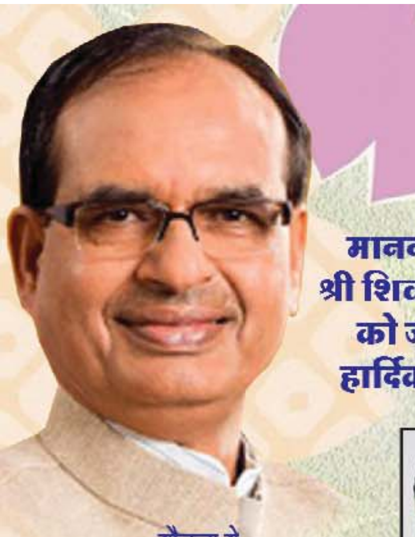

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री अरविंद दुबे (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पुष्पेन्द्र कुशवाह (प्रभारी उपायुक्त सहकारिता)

श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एन.यू. सिद्दीकी (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री जी.के. सक्सेना (शा.प्र. गैरतगंज)
श्री बिहारी विश्वकर्मा (शा.प्र. बेगमगंज)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गैरतगंज, जि.रायसेन
श्री शिवकुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गढ़ी, जि.रायसेन
श्री कैलाश तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चांदोनीगढ़ी, जि.रायसेन
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अगरियाकलां, जि.रायसेन
श्री राधेलाल धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आलमपुर, जि.रायसेन
श्री कन्छेदीलाल साहू (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रमपुराकलां, जि.रायसेन
श्री घनश्याम व्यास (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोडरपुर, जि.रायसेन
श्री मुन्नालाल दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. समनापुर, जि.रायसेन
श्री चंद्रभान गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिंहपुर, जि.रायसेन
श्री रामसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बम्हौरी गोदड़, जि.रायसेन
श्री कमलसिंह गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चाँदपुर, जि.रायसेन
श्री मुकेश लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रजपुरा, जि.रायसेन
श्री श्यामबाबू शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेगमगंज, जि.रायसेन
श्री विनोद सक्सेना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढिलवार, जि.रायसेन
श्री प्रवीण दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुल्तानगंज, जि.रायसेन
श्री राजेन्द्रसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चंदोरिया, जि.रायसेन
श्री बृजेन्द्र ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पडरभटा, जि.रायसेन
श्री बिहारी विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पांडाझिर, जि.रायसेन
श्री वृंदावन सिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुनेहरा, जि.रायसेन
श्री बिहारी विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुनवाहा, जि.रायसेन
श्री बिहारी विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुमेर, जि.रायसेन
श्री नारायण पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शाहपुर सुल्तानपुर, जि.रायसेन
श्री राजकुमार साहू (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मरखेड़ा टप्पा, जि.रायसेन
श्री रनधीर सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वसिया, जि.रायसेन
श्री प्रदीप खरे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भुरेरू, जि.रायसेन
श्री नारायण पटेल (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सरकार ने रखा ध्यान मुस्कुरा उठा किसान

- कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए नई योजनाएँ लागू होंगी
- फसल अवशेष प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाएगा
- प्राकृतिक खेती एक लाख हेक्टेयर तक पहुँचाई जाएगी
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग होगी

दाना-दाना खरीदेंगे, घाटे की भरपाई करेंगे

सरकार ने तय किया है कि किसान से गुणवत्ता युक्त दाना-दाना खरीदा जाएगा। इससे खरीद का काम करने वाली एजेंसियों को नुकसान भी न हो, इसके लिए हानि की प्रतिपूर्ति की जाएगी। पिछले वर्ष गेहूँ और धान का उपार्जन कर किसानों को 34120 करोड़ रु. का भुगतान किया गया है। इस वर्ष भी 104 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन की संभावना है।

किसान सम्मान निधि के लिए 3200 करोड़ रु.

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की तर्ज पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना प्रारंभ की जिसके तहत 78 लाख किसानों को सालाना 4 हजार रु. की सम्मान निधि दी जा रही है। इसके लिए 3200 करोड़ रु. का प्रविधान रखा गया है। किसानों को बिजली उपलब्ध कराने के लिए अटल कृषि ज्योति योजना के तहत 4592 करोड़ रु. का प्रविधान है।

दूध की नदियाँ बहाने के लिए 150 करोड़

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के लिए 150 करोड़ रु. का प्रविधान किया गया है। प्रदेश में ढाई करोड़ से अधिक गौ-भैंस वंशीय पशुओं को यूआईडी टैग लगाए गए हैं जो देश में सर्वाधिक है। दूध से बने उत्पादों से आम जनता का स्वास्थ्य बेहतर हो ही रहा है, किसानों की भी आमदनी बढ़ रही है। इससे जैविक खेती में मदद मिल रही है।

अधोसंरचना बनाएँगे और निर्यात बढ़ाएँगे

प्रदेश में कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा और कृषि अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। फसल अवशेष के प्रबंधन पर भी जोर रहेगा और मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा। जैविक खेती के प्रोत्साहन के लिए प्रचार-प्रसार करने के साथ प्राकृतिक खेती के क्षेत्र को एक लाख हेक्टेयर तक पहुँचाया जाऐगा। शरबती गेहूँ, काली मूँछ चावल, जीरा शंकर चावल और पिपरिया की दाल को जीआई टैग दिलाने की कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश के इन उत्पादों को मिलेगा प्रोत्साहन

■ **बुरहानपुर का केला :** बुरहानपुर का केला अपनी मिठास के कारण विशिष्ट है। एक जिला एक उत्पाद के तहत अब सरकार इसे प्रोत्साहन देगी। इसके लिए बजट में विशिष्ट प्रविधान किये गये हैं। सरकार का प्रयास है कि बुरहानपुर का केला निर्यात हो और केला उत्पादक किसानों की आय बढ़े।

■ **सिवनी का सीताफल :** सिवनी क्षेत्र की मिट्टी की विशेषता है कि यहाँ उगने वाला सीताफल बहुत मीठा भी होता है और इसमें गूदा भी अधिक होता है। इसे मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी खूब पसंद किया जा रहा है। सरकार की योजना है कि सिवनी के सीताफल की ब्रांडिंग व मार्केटिंग देश में तो की ही जाए, इसे विदेश भी भेजा जाए। इसके लिए सिवनी जिले से इसे एक जिला एक उत्पाद योजना में चुना गया है। सिवनी में सीताफल से संबंधित प्रसंस्करण के काम भी किये जाएँगे।

■ **इंदौर का आलू :** इंदौर के समीप स्थित महू व मालवा क्षेत्र के अन्य इलाकों में आलू का उत्पादन बहुतायत में होता है। इस क्षेत्र की भौगोलिक स्थितियों और जलवायु के कारण यहाँ का आलू विशिष्ट होता है। इसलिए इसे देश भर में पसंद किया जाता है। बड़ी चिप्स कंपनियाँ तो सीधे किसानों से अनुबंध करती है और सीधे उनके खेतों से ही आलू खरीद ले जाती है। इंदौर से इसी आलू को एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत चुना गया है। अब सरकार इस आलू की ब्रांडिंग व मार्केटिंग पर विशेष ध्यान देगी।

■ **मंदसौर का लहसुन :** एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत सरकार ने मंदसौर जिले से लहसुन को चुना है। विशेष प्रकार के लहसुन के अधिक उत्पादन के लिए इसके किसानों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके लिए बजट में विशेष प्रविधान किये गये हैं। इस वर्ष सरकार का प्रयास रहेगा कि मंदसौर के लहसुन को विदेश तक निर्यात करने की स्थितियाँ बनाई जा सके।

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

डॉ. प्रभुराम चौधरी
(प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

सुश्री नेहा शिवहरे
(भारसाधक अधिकारी)

श्री आर. वसुनिया
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति धार, (जि.धार)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

डॉ. प्रभुराम चौधरी
(प्रभारी मंत्री)

ता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
शिवराजसिंहजी चौहान को
न की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री वीरेन्द्र कटारे
(भारसाधक अधिकारी)

श्री रामवीर किरार
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बदनावर, (जि.धार)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

डॉ. नरोत्तम मिश्रा
(प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री राजेश राठौड़
(भारसाधक अधिकारी)

श्री नरेश कुमार परमार
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति इंदौर, (जि.इंदौर)

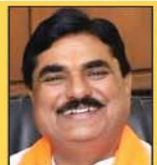

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

डॉ. नरोत्तम मिश्रा
(प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री अक्षत जैन
(भारसाधक अधिकारी)

श्री विक्रमसिंह चौहान
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति महू, (जि.इंदौर)

बजट विश्लेषण

सहकारिता, कृषि, ग्रामीण विकास मध्यप्रदेश बजट प्रस्तावों का अर्जुन लक्ष्य

अन्नदाता की आय दोगुनी और पाँच लाख ट्रिलियन इकॉनामी में योगदान

■ नीलमेघ चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत वर्ष 2022-23 के वार्षिक बजट प्रस्तावों में मध्यप्रदेश की शिवराजसिंह सरकार ने कृषि, सहकारिता तथा ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दे, कृषि क्षेत्र आय में बढ़ोतरी के प्रावधान किए हैं। भले ही कुछ मदों में बजटीय आवंटन सांकेतिक या अपेक्षा से कम हो सकता है, किंतु एक तथ्य आईने की तरह स्पष्ट है। वह यह कि सरकार संबंधित बिंदुओं पर हितग्राहियों के प्रति संवेदनशील है। अभी तो ये संकेतक हैं। अर्थात भविष्य में इन पर और आवंटन हो सकता है। 'लाड़ली लक्ष्मी' को ही लीजिए। जिस बजट में इनके लिए पहला आवंटन हुआ, उस समय किसी को अंदाज नहीं था कि भविष्य में 40 लाख से अधिक लाड़ली लक्ष्मियां होंगी और सरकार की योजना उनकी उच्च शिक्षा की व्यवस्था करने की भी होगी।

मवेशी पालन में व्याप्त संभावनाओं के दोहन के लिए घर-घर मवेशी चिकित्सा व्यवस्था, कृषि सहकारी आंदोलन की नींव प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्थाओं (पैक्स) के कम्प्युटरीकरण, सहकारिताओं के लिए अंशपूंजीगत व्यवस्था के लिए प्रावधान, नई सहकारिताओं के गठन, सहकारी प्रणाली का पर्यटन व अन्य क्षेत्रों में विस्तारीकरण, मनरेगा के बजटीय आवंटन में बढ़ोतरी ऐसे प्रस्ताव हैं जिनसे ग्रामीण क्षेत्र और इनसे जुड़े संस्थान मजबूत होंगे।

मवेशी चिकित्सा - गुजरात मॉडल मध्यप्रदेश में

ग्रामीण गुजरात की मुंडेर पर संपन्नाता के दीप-दीपन में ऑपरेशन फ्लड के पितामह डॉ वर्गीस कूरियन का योगदान अविस्मरणीय है। डॉ कूरियन ने सहकारिता के आधार पर दुग्ध उत्पादक किसानों को संगठित किया। मवेशियों की चिकित्सा व्यवस्था को उतना ही महत्वपूर्ण बनाया जितना कि मनुष्य की चिकित्सा व्यवस्था। दुग्ध उत्पादकों और मवेशी चिकित्सकों को वॉकी-टॉकी वायरलैस सेट उपलब्ध कराए। मवेशी की तबियत नासाज होते ही उसे चिकित्सा मुहैया होने लगी। नतीजतन दुग्ध उत्पादन में एतिहासिक बढ़ोतरी हुई। इसके सकारात्मक परिणाम दुग्ध उत्पादकों की आय पर भी दिखे। मध्यप्रदेश के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट प्रस्तावों में घर-घर मवेशी चिकित्सा का प्रावधान प्रस्तावित किया है। इस प्रावधान के अमल में आने पर मध्यप्रदेश भी मवेशी चिकित्सा मोर्चे पर लगभग चार दशक बाद गुजरात के समकक्ष आएगा। मवेशियों की स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था में सुधार से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। किसानों की आय बढ़ेगी।

मवेशी पालन भी कृषि के तहत आने वाले 16 उपक्रमों (जैसे खेती, बागवानी, पौल्ट्री, रेशम कीट पालन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, लाख कीट पालन आदि) में शामिल है। केंद्र की

मोदी सरकार का लक्ष्य वर्ष 2023 तक किसानों की आय दो गुनी करना है। मध्यप्रदेश सरकार कृषि संबंधी प्रावधानों के जरिए किसानों की आय बढ़ोतरी के प्रयास करेगी। इसे कहते हैं मध्यप्रदेश - हाथ में हाथ-केंद्र के साथ। मवेशी स्वास्थ्य देखभाल के परोक्ष प्रभाव को अन्य कोणों से भी परखा जा सकता है।

जैविक खेती और मवेशी पालन

राज्य, देश और विश्व पुनः प्राचीन भारतीय कृषि पद्धति आत्मसात कर रहा है। इसके कारण स्पष्ट हैं। बिना रासायनिक खाद की खेती मवेशियों के गोबर और जैविक अपशिष्ट से बनी खाद से होती है। इसके दुष्प्रभाव नहीं होते। न तो उपज पर न ही माँ वसुधरा की गोद पर। पौधों को जितना खाद चाहिए, उतना ग्रहण करते हैं। जैविक खाद जबरिया पौधों की जड़ों या तनों में नहीं घुसती। जितनी जरूरत होती है, उतनी ही खाद पौधे स्वेच्छा से ग्रहण करते हैं। इस प्रक्रिया को बफे लंच/डिनर या मालवी

पद्धति की पंगत भोज से समझा जा सकता है। बफे में जितना चाहिए, स्वेच्छा से परोस लेते हैं, जबकि मालवी पंगत में एक लड्डू और चलेगो और हाजमा खराब! इसलिए जैविक खाद आदान यानी पौधों के लिए बुफे लंच/डिनर। मवेशी ठीक तो गोबर पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। जैविक खाद भी भरपूर बनेगा। इसलिए घर-घर मवेशी पालन के बजटीय प्रावधान को दूरगामी दृष्टिकोण से भी परखा जाना चाहिए।

चार दशक पहले दोपहर में दूध नहीं, अब कितना चाहिए?

लगभग चार दशक पहले इंदौर में दोपहर बाद दूध खत्म हो जाता था। अतिथि आगमन पर संध्या समय की आपूर्ति पर निर्भरता थी। सहकारी दुग्ध उत्पादन प्रणाली अस्तित्व में आने पर व्यवस्था में चमत्कारिक बदलाव दर्ज हुआ। गुजरात की श्वेत क्रांति अन्य प्रदेशों की तरह मध्यप्रदेश में भी पहूँची। आज स्थिति यह है कि प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता में इंदौर ही नहीं संपूर्ण मध्यप्रदेश देश भर में सभी राज्यों से आगे हो चला है, हालांकि कुल दुग्ध उत्पादन क्षमता में मध्यप्रदेश देश में तीसरे क्रम पर है। सहकारी प्रणाली ने दुग्ध आपूर्ति के जरिए शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में कुपोषण दूर करने के जोरदार प्रयास किए हैं। घर-घर मवेशी चिकित्सा योजना से इन प्रयासों को और बल मिलेगा।

बागवानी भंडारण - उपज संरक्षण

बजट प्रस्तावों में बागवानी क्षेत्र के लिए भंडारण व्यवस्था के बजटीय प्रावधान सम्मिलित हैं। अभी बड़ी मात्रा में बागवानी उपज भंडारण के अभाव नष्ट हो जाती है। परिणामस्वरूप बागवानी उपज से जुड़े किसान तो नुकसानी में आते ही हैं, राष्ट्रीय संपदा की भी हानि होती है। इन उपजों की तैयारी में बड़ी मात्रा में सिंचाई जल, बिजली आपूर्ति और श्रम लगता है। भंडारण व्यवस्था विस्तार से उपज संरक्षित की जा सकेगी। समुचित समय में आपूर्ति व्यवस्था पूर्ण होने से पोषण में सहायता मिलेगी।

एक जिला-एक उत्पाद, ब्राण्डिंग में सरकारी समर्थन

बजट प्रस्तावों में जिलों/कस्बों की उत्पाद आधारित पहचान को सरकारी समर्थन की पेशकश है। मालवा क्षेत्र में अनेक शहरों/गाँवों की पहचान उत्पादों से है। बड़नगर के भुट्टे के लड्डू, फतियाबाद के गुलाब जामून, कालाकुंड का कलाकंद, महेश्वरी साड़ियां, चंदेरी सिल्क, बाग प्रिंट सभी दूर ब्रांडेड हैं। पिछले बजट प्रस्तावों में केंद्र और राज्य स्तर पर स्थानीय ब्रांडनेम को उभारने पर चर्चा हुई थी। इस बार मध्यप्रदेश सरकार ठोस तथ्यों के साथ बजटीय समर्थन लेकर आई है। अफीम उत्पादक जिले मंदसौर का लहसून, बुरहानपुर का केला, सिवनी का सीताफल और इंदौर का, विशेषकर कोदरिया के चिप्स आलू को स्थानीय ब्रांड के रूप में उभारने के प्रावधान बजट प्रस्तावों में है।

कृषि उपजों के लिए भौगोलिक संकेतक

स्थानीय उपजों को भौगोलिक संकेतक (जिओग्राफिकल इंडिकेटर) टैग दिलाने के प्रस्ताव बजट में सम्मिलित हैं। सीहोर का दुरहम गेहूँ, बालाघाट का विशिष्ट चावल, आलीराजपुर के विशेष आम, कई क्षेत्रों में विशेष किस्म के दलहन आदि को भौगोलिक संकेतक दिलाने के प्रस्ताव बजट प्रस्तावों में सम्मिलित हैं। प्रदेश सरकार ने कृषि उपजों के लिए निर्यात प्रोत्साहन योजना भी प्रस्तावित की है। इसके तहत ब्रॉण्डिंग और विपणन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विशेष प्रशिक्षण किसानों और व्यापारियों को दिया जाएगा। बजट में प्रस्तावित फसल विविधिकरण प्रणाली से किसान अलग-अलग तरह की उपज लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे। हर साल एक कृषि रबी और खरीफ में एक ही प्रकार की उपज लेने से उत्पादन प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है। इसलिए किसानों के लिए फसल विविधिकरण प्रोत्साहन के विशेष प्रावधान बजट में प्रस्तावित हैं।

नई प्रौद्योगिकी और भारतीय किसान

विकसित देशों की कृषि पद्धतियों को अभी तक हम देखते और इस बारे में सुनते आए हैं। इजराइली तकनीक जैसे फव्वारा और टपक पद्धति हम अपना चुके हैं। इनके बेहतर परिणाम भी सामने आए हैं। अब नवीन कृषि तकनीक यानी ड्रोन से कीटनाशक , निंदानाशक और रासायनिक खाद छिड़काव को

मध्यप्रदेश के लाड़ले मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की लख-लख बधाइयाँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री उमाशंकर भार्गव
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री संजय दलेला
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.आर. कावड़कर
(उपायुक्त सहकारिता-अतिरिक्त प्रभार)

श्री कमल मकाश्रे
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री विनयप्रकाश सिंह
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री प्रकाश बाबू शर्मा (शा.प्र. सिरोंज)
श्री गोपाल शर्मा (पर्यवेक्षक सिरोज)
श्री शिवचरण शर्मा (पर्यवेक्षक सिरोज)
श्री हरिचरण शर्मा (शा.प्र. आनंदपुर)
श्री भैयालाल सेन (पर्यवेक्षक आनंदपुर)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पामाखेड़ी, जि.विदिशा श्री द्वारिकाप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. देहरी, जि.विदिशा** श्री अनवर सईद (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सोना, जि.विदिशा** श्री लखनसिंह रघुवंशी (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. अनूपपुर, जि.विदिशा श्री लक्ष्मीप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. परसौरा, जि.विदिशा** श्री जसवंतसिंह रघुवंशी (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सियलपुर, जि.विदिशा** श्री अशोक श्रीवास्तव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. हाजीपुर, जि.विदिशा श्री गोपालप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मुगलसराय, जि.विदिशा** श्री अशोक श्रीवास्तव (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. दीपनाखेड़ा, जि.विदिशा** श्री शिवचरण शर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. भौरा, जि.विदिशा श्री बागमल जैन (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. झूकरहौज, जि.विदिशा** श्री विशाल श्रीवास्तव (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. निशोबर्री, जि.विदिशा** श्री भैयालाल सेन (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. तरबरिया, जि.विदिशा श्री मनोज कुमार जैन (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चाठौली, जि.विदिशा** श्री भगवतसिंह कुर्मी (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ओखलीखेड़ा, जि.विदिशा** श्री रोहणी शर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पिपलिया हाट, जि.विदिशा श्री मनोहरलाल शर्मा (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. करैया हाट, जि.विदिशा** श्री बृजेश नामदेव (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. महोटी, जि.विदिशा** श्री अभिषेक श्रीवास्तव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चितावर, जि.विदिशा श्री शिवचरण शर्मा (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बड़ौदा ताल, जि.विदिशा** श्री गोपाल प्रसाद शर्मा (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. आनंदपुर, जि.विदिशा** श्री रामेश्वर शर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गुरेंठा, जि.विदिशा श्री लेखराज कुर्मी (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. इकलोद, जि.विदिशा** श्री गोपाल प्रसाद शर्मा (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. उनारसीकलां, जि.विदिशा** श्री राजेन्द्र भार्गव (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

जय सहकार - जय सहकारिता

बजट प्रस्तावों में केंद्रीय बजट प्रस्तावों की तर्ज पर सहकारी क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसी साल फरवरी में प्रस्तुत केंद्रीय बजट प्रस्तावों में कृषि सहकारी आंदोलन की नींव यानी प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाओं (पैक्स) के लिए विशेष प्रावधान किए गए। देश की स्वाधीनता के बाद केंद्र स्तर पर पहली बार पृथक से कृषि मंत्रालय का गठन किया गया। मंत्रालय का कार्यभार सहकारी क्षेत्र के ज्ञाता, अहमदाबाद जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष तथा वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा गया। इसी मंत्रालय के बजटीय प्रावधानों में पैक्स के लिए कम्प्युटरीकरण का प्रावधान किया गया। इससे मध्यप्रदेश की पैक्स भी लाभान्वित हुई। राज्य सरकार ने इसके लिए मैचिंग ग्रांट का प्रावधान 9 मार्च 2022 को प्रस्तुत बजट प्रस्ताव में किया है। लगभग साढ़े चार हजार पैक्स के कम्प्युटरीकरण से कृषि सहकारी प्रणाली में वन क्लिक दक्षता आएगी। बजट प्रस्तावों में सहकारी प्रणाली के विविधिकरण भी सम्मिलित हैं। इनमें परिवहन और पर्यटन सहकारिताओं के प्राथमिक संगठन तथा राज्य स्तरीय शीर्ष संगठनों के गठन के लिए अंशपूंजीगत सहायता भी शामिल हैं। इससे लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की अवधारणा गति पकडेगी। सालों बाद सहकारिता पर अंशपूँजीगत योगदान पर ध्यान दिया गया। पूर्व में यूपीए प्रथम और द्वितीय कार्यकाल में सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों को बार-बार अंशपूँजीगत सहायता दी गई, किंतु सरकारों की जन कल्याणकारी योजनाओं के हवन में समिधा अर्पित करने वाली सहकारिताओं की लगातार अनदेखी की गई। मध्यप्रदेश सरकार ने सालों बाद सहकारी प्रणाली को इतना महत्व प्रदान किया, इसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण में व्यस्त संस्थाओं को इस प्रकार की सहायता देना संवेदनशील और कल्याणकारी सरकार का दायित्व भी है।

आत्मसात करने की योजना प्रस्तावित है। कृषि अवशिष्ट की पराली/नरवाई को हतोत्साहित कर उनके पुनर्उपयोग के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु बजटीय प्रावधान प्रस्तावित कर पर्यावरण हितैषी कदम उठाया गया है। ऐसे कृषि यंत्र उपलब्ध कराने की योजना प्रस्तावित है, जिनके जरिए कृषि अवशिष्ट सहज रूप से पंचभूत में समाहित होंगे। इससे नरवाई से बचा जा सकेगा। वातावरण प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी। सुक्ष्म पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण होगा। मिट्टी के जैविक घटक यानी सुक्ष्म जीव जैसे बेक्टीरिया और केचुए सुरक्षित रह सकेंगे, तापमान में अनावश्यक बढ़ोतरी नहीं होगी। सुक्ष्म पोषक तत्वों के खेतों की मिट्टी में बने रहने से मृदा परीक्षण में माइक्रो न्यूट्रिएंट्स की जरूरत की सिफारिश नहीं होगी। फलस्वरूप कम खाद और कम सुक्ष्म पोषक तत्वों की जरूरत होगी। यह कदम अन्नादाता के फसली खर्च में कमी ला वर्ष 2023 तक कृषि आय दो गुनी करने के लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होगा। नरवाई के खिलाफ विचार-विमर्श के दौरान नरवाई बचाव के लिए कृषि यंत्रों की उपलब्धता की चर्चा सामने आती रही। मध्यप्रदेश सरकार ने इस दिशा में ठोस कदम उठाया है। किसान सम्मान निधि में मध्यप्रदेश के हिस्से की राशि का प्रावधान, फसल बीमा योजना के राज्यांश की व्यवस्था, कृषि उपज उपार्जन योजना के लिए प्रावधान, 5 हार्स तक बिजली पंप के लिए बिजली निःशुल्क देने और इस एवज में विद्युत वितरण कंपनियों को प्रतिपूर्ति राशि का प्रावधान प्रशंसनीय है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश-आत्मनिर्भर भारत

केंद्र सरकार के वर्ष 2022-23 के बजट प्रस्तावों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढीकरण, पर्यावरण संरक्षण, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव घटाने के लिए इथेनॉल आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के प्रस्ताव हैं। इनमें जीवाश्म इंधन में इथेनॉल के

मिश्रण का प्रतिशत बढ़ाना भी शामिल है। इस कदम से गन्नाा उत्पादक किसानों की माली हालत सुधरने के साथ देश उर्जा उपभोग मोर्चे पर आत्मनिर्भर होगा। मध्यप्रदेश के बजट में भी इथेनॉल उपयोग को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मजबूतीकरण के प्रस्ताव शामिल है। बजट प्रस्ताव आगामी वर्ष तक कृषि आय को दोगुनी करने तथा केंद्र के 5 लाख ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में लक्ष्य में योगदान में सहायक सिद्ध होंगे।

म.प्र. के लोकप्रिय मुख्यमंत्री
श्री शिवराजसिंहजी चौहान
को जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री वी.एल.मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एन.यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
श्री कन्हैयालाल चढ़ार
(शा.प्र. गरोठ)
श्री यूसुफ अली बोहरा
(शा.प्र. भानपुरा)
श्री ओमप्रकाश धाकड़
(शा.प्र. बाबुल्दा)
श्री प्रीतम शर्मा
(शा.प्र. नारायणगढ़)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गरोठ, जि.मंदसौर
श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बर्डिया इश्तमुरार, जि.मंदसौर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नावली, जि.मंदसौर
श्री शम्भूसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया, जि.मंदसौर
श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा गंगाशाह, जि.मंदसौर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. संधारा, जि.मंदसौर
श्री प्रकाशचंद्र धाकड़ (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ढाबला मोहन, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. देथली बुजुर्ग, जि.मंदसौर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ढाबला माधौसिंह, जि.मंदसौर
श्री कुंवरलाल अहीर (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गुराड़िया नरसिंह, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बर्डिया अमरा, जि.मंदसौर
श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बाबुल्दा, जि.मंदसौर
श्री मनोज कुमार शर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. दसोरिया, जि.मंदसौर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. भानपुरा, जि.मंदसौर
श्री कन्हैयालाल माली (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सातलखेड़ी, जि.मंदसौर
श्री जगदीशचंद्र बैरागी (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चिकन्या, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सांजलपुर, जि.मंदसौर
श्री इन्द्रमल रावत (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. अंत्रालिया, जि.मंदसौर
श्री फूलचंद्र गायरी (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बोलिया, जि.मंदसौर
श्री बृजेश मिश्रा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नीमथूर, जि.मंदसौर
श्री कुंवरलाल अहीर (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नारायणगढ़, जि.मंदसौर
श्री दशरथ चौधरी (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. विशन्या, जि.मंदसौर
श्री दुलेसिंह (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. झार्डा, जि.मंदसौर
श्री रामनिवास धनगर (प्रबंधक)

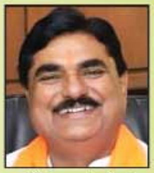

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)   डॉ. प्रभुराम चौधरी (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री नवजीवन विजय पंवार (भारसाधक अधिकारी)
श्री हिम्मतसिंह जमरा (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति, कुक्षी (जि.धार)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)   डॉ. प्रभुराम चौधरी (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

सुश्री शिवांगी जोशी (भारसाधक अधिकारी)
श्री सौभागसिंह कनास (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति मनावर, (जि.धार)

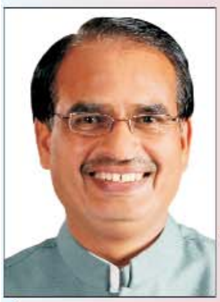

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)   श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्रीमती लक्ष्मी गामड़ (भारसाधक अधिकारी)
श्री भगतसिंह डावर (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति अलीराजपुर, (जि.अलीराजपुर)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)   श्री इंदरसिंह परमार (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री शिशिर गेमावत (भारसाधक अधिकारी)
श्री विश्वास जॉन (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति पेटलावद, (जि.झाबुआ)

जायद की सूरजमुखी

सूरजमुखी हमारे देश के लिए तिलहन की एक नई फसल है। इसके बीज में 46-52 प्रतिशत तक तेल एवं प्रोटीन 20-25 प्रतिशत प्राप्त होता है। सूरजमुखी 90-100 दिन में तैयार हो जाता है। सूरजमुखी की फसल खरीफ, रबी तथा जायद तीनों मौसम में समान रूप से ली जा सकती है। लेकिन खरीफ में रोगों एवं कीटों का प्रकोप अधिक होने के करण रबी एवं जायद में इसकी फसल अधिक लाभप्रद पायी गयी है इन दोनों मौसमों में बोई गई फसल से 15 से 25 प्रतिशत तक अधिक पैदावार मिलती है। जायद में आलू, गन्ना या तोरिया या अन्य फसलों के बाद खेत खाली पड़े हों, वहां इसकी खेती सफलता से की जा सकती है।

सूरजमुखी के फूलों की खेती से किसानों का भविष्य सुरक्षित होने लगा है। अनेक किसान सूरजमुखी के फूलों की खेती कर रहे हैं। दूसरे फसलों के हिसाब से किसानों को सूरजमुखी से ज्यादा फायदा हो रहा है। बंगाल के बाजारों में डिमांड के चलते किसानों को काफी फायदा मिल रहा है। यहां सूरजमुखी के फूलों की कीमत 200 रुपये किलो है। किसानों को कृषि विभाग का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। किसानों का कहना है कि सूरजमुखी की खेती से किसान बहुत उत्साहित है और साथ ही इसमें लागत कम और मुनाफा अधिक है। दरअसल सूरजमुखी के तेल की बाजार में अधिक मांग है। इसकी फसल तीन महीने में तैयार हो जाती है। प्रति एकड़ करीब 10 क्विंटल उपज होता है। सूरजमुखी के दानों में 40 प्रतिशत तेल होता है। कम समय में किसानों को अधिक मुनाफा होता है।

■ **जलवायु :** प्रकाश अवधि का इसकी वृद्धि व विकास पर कोई अंतर नही पड़ता क्योंकि अप्रदीप्तिकाल पौधा है। इसीलिए इसे तीनों ऋतु में खरीफ, रबी एवं बसंत में आसानी सें उगाया जा सकता है।

■ **भूमि एवं खेत की तैयारी :** इसकी खेती दोमट एवं भारी मिट्टी पलट वाले हल से गहरा जुताई करने के बाद दो-तीन बार हैरो या देशी हल सें जुताई करके और पाटा लगा देना चाहिए।

■ **उन्नत किस्में :** भरपूर पैदावार के लिए उन्नत किस्मों की स्वस्थ एवं उत्तम गुणवत्ता वाले बीज का चुनाव करें।

■ **बीज मात्रा :** सामान्य-10 कि.ग्रा./हे. एवं संकर-5-6 कि.ग्रा./हे.।

■ **बुवाई :** रबी- अक्टूबर सें नवम्बर एवं जायद- फरवरी से मार्च

■ **बोने की विधि :** कतार सें कतार की दूरी 60 सेमी. एवं पौध से पौध की दूरी 20 सेमी. एवं 3-4 सेमी. से गहरा नहीं बोना चाहिए ।

■ **बीजोपचार :** बीमारियों से बचाव हेतु उपचार फफूंदनाशक थायरम 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज दर से या 2 ग्राम केप्टान से करना चाहिए।

■ **बीज शोधन :** बीज को 12 घंटे पानी मे भिगोगर छाया में 3-4 घंटे सुखाकर बोने से जमाव शीघ्र होता है। बीज को कैप्टान को 2 ग्राम या थीरम की 3 ग्राम मात्रा प्रति कि.ग्रा. बीज की दर

से शोधित कर लेना चाहिए, इससे पौधे स्वस्थ होते है।

■ **खाद मात्रा :** अन्य फसलों के समान चार वर्षों में एक बार गोबर की खाद लगभग 25-30 गाड़ी के अतिरिक्त बारानी क्षेत्रों में एवं नत्रजन- 50 कि.ग्रा. सामान्य एवं 60 कि.ग्रा. संकर जाति, स्फुर- 60 कि.ग्रा. सामान्य एवं 90 कि.ग्रा. संकर जाति, एवं पोटाश- 40 कि.ग्रा. सामान्य एवं 60 कि.ग्रा. संकर जाति से प्रति हेक्टेयर के हिसाब से बोनी के पहले दे देना चाहिए।

■ **सिंचाई :** सूरजमुखी की खेती के रबी के मौसम में दो सिंचाई की जायद की फसल में चार सिंचाई की आवश्यकता होती है। सूरजमुखी के पौधें में फूल आते समय और मुण्डकों के बीज भरते समय सिंचाई देना अच्छा होता है। सूरजमूखी का परागण मूख्यतः मधुमक्खियों द्वारा होता है। इसके अलावा अन्य मधुमक्खियों एवं अन्य कीट परागण में सहायता करती है। रबी में दो बार और बसंत ऋतु में 5-6 बार सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। फसल उगने के 25-30 दिन बाद पहली और 50 दिन बाद दूसरी सिंचाई कर देना चाहिए। तीसरी सिंचाई फूल निकलने और दाने भरने की अवस्था में कर देना चाहिए।

■ **निराई-गुडाई एवं खरपतवार नियंत्रण :** बोआई के 10-12 दिन बाद घने उगे हुए पौधों को उखाड़ देना चाहिए ताकि कतार में पौधे की दूरी 20 सेमी. रह जाये। खरपतवारों की रोकथाम करना भी जरूरी है। खरीफ फसल में दो बार, रबी में तथा बसंत ऋतु फसल में 1 बार निराई-गुड़ाई कर देना चाहिए।

■ **सूरजमुखी के अच्छा पैदावार बढ़ाने के गुण :** घने पौधे को बोनी के एक माह अन्दर निकाल कर विरलन कर देना चाहिए। फसल कां फूल बनने से बीज भरने की अवस्था में तोते चिडियों से बचाना चाहिए। यदि मधुमक्खियों की संख्या कम दिखाई दे तो हस्त परागण करना चाहिए, ताकि बीज पोचा न रहें।

■ **प्रमुख कीट एवं नियंत्रण :** जैसिड- मिथाइल डेमेटान 25 ई.सी. 1 ली./हे., माहो- डाइमिथोएट 30 ई.सी. 1000 मि.ली. दर से छिड़कें। रोमिल इल्ली- पैराथियान 2 प्रतिशत चूर्ण भुरकाव 25 कि.ग्रा./हे. की दर से।

■ **प्रमुख रोग एवं नियंत्रण :** बीज सड़न, बीज कुड, झुलसन, चारकोल सड़न, भभूतिया रोग, डाऊनी मिल्डयु आलटरनेरिया झुलसन, गेरुआ एवं हेडराट प्रमुख रूप से पाये जाते है। एक लीटर पानी में 3 ग्राम घुलनशील गंधक का घोल प्रति हेक्टेयर 500 लीटर छिड़काव करें।

■ **कटाई एवं मंडाई :** जब सूरजमुखी के बीज पककर कडे हो जाए तो उसके फूलों की कटाई कर लेना चाहिए। पके हुए फूलों का पिछला भाग पीले भूरे रंग का हो जाता है। फूलों को काटकर धूप में सुखा लेना चाहिए। इसके बाद फूलों को हाथ से या डण्डों सें पीटकर मंड़ाई की जा सकती है।

■ **उपज एवं भण्डारण :** सूरजमुखी की संकर किस्में उगाने पर 20 क्विं. प्रति हेक्टेयर एवं सामान्य सें किस्म सें 8-15 क्विं. प्रति हेक्टेयर प्राप्त किया जा सकता है। ■

मार्च माह के कृषि कार्य

■ **सब्जियाँ :** कद्दू, चप्पन कद्दू, लौकी, करेला, तोरई, खीरा, खरबूजा, तरबूज आदि बेल वाली सब्जियों की बुवाई करें। पूसा की निम्न प्रजातियों का चयन करें :- कद्दूः पूसा विश्वास, पूसा हाईब्रिड 1, खीराः पूसा उदय, खरबूजाः पूसा मधुरस, तरबूजः शुगर बेबी, चप्पन कद्दूः ऑस्ट्रेलियन ग्रीन एवं पूसा अलंकार। कद्दूवर्गीय फसलों में 100-50-50 किग्रा/ हैक्टेयर की दर से नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम की मात्रा डालें तथा 5-6 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहें। भिण्डी में फली व तना भेदक कीट के नियंत्रण के लिए 2 मिली इमिडाक्लोप्रिड दवा को 10 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। भिण्डी रस में चूसने वाले कीड़ों के नियंत्रण के लिए ट्राइजोफॉस और डेल्टामेथ्रिन 1 मिली दवा/लीटर पानी में घोलकर बारी-बारी से 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

■ **मूँग फसल :** खरपतवार नियंत्रण के लिए 1 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से पेन्डामिथालिन दवा 500 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के एक-दो दिन बाद छिड़काव करें। मूँग के लिए 20:40:20 किग्रा/है. की दर से एनपीके की मात्रा को आधार खुराक के रूप में दें। मूँग में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें।

■ **फल फसलें :** आम में चूर्णिल आसिता रोग की रोकथाम के लिए डाइनोकेम दवा 1 मिली प्रति 1 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। आम में एथ्रेक्नोज (पत्तियों व मंजरियों पर काले धब्बे) की रोकथाम के लिए 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम दवा प्रति 1 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। आम में यदि पत्तियों व शाखाओं पर भी एन्थ्रोक्नोज के लक्षण दिखते हैं तो 3 ग्राम दवा/लीटर पानी की दर से कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का छिड़काव करें। ■

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

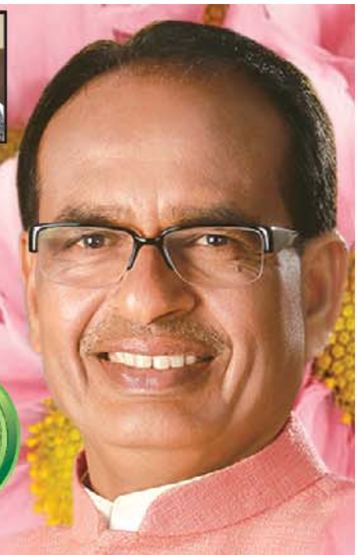

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल.मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री सुनील सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी.एन.यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री अश्विनी शर्मा (शा.प्र. सावन) | श्री कैलाश पलास (शा.प्र. महागढ़) | श्री यशवंत चौहान (शा.प्र. जीरन) | श्री वर्दीचंद मीणा (शा.प्र. चीताखेड़ा)

जन-जन के लोकप्रिय नेता
और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंह चौहान
को जन्मदिवस की

हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सावन, जि.नीमच श्री गोपालकृष्ण शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आंत्री, जि.नीमच** श्री दशरथसिंह राजपूत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सीरखेड़ा, जि.नीमच श्री मुकेश पाटीदार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चपलाना, जि.नीमच** श्री मिट्ठूलाल योगी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जवासा, जि.नीमच श्री हरिशंकर नागदा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जीरन, जि.नीमच** श्री गोपालसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमली मेवाड़, जि.नीमच श्री मुकेश पाटीदार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोट इश्तमुरार, जि.नीमच** श्री तखतसिंह शक्तावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरदिया, जि.नीमच श्री राजेन्द्रसिंह तंवर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरवार, जि.नीमच** श्री विक्रमसिंह सोनगरा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. महागढ़, जि.नीमच श्री दशरथसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चल्दू, जि.नीमच** श्री मांगूसिंह शक्तावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुण्डला, जि.नीमच श्री गोपाल गेहलोत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चीताखेड़ा, जि.नीमच** श्री राजेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नलखेड़ा, जि.नीमच श्री सत्यनारायण राठौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कराड़िया महाराज, जि.नीमच** श्री भगवानसिंह राणावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजूरी, जि.नीमच श्री सुन्दरलाल तंवर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. राबड़िया, जि.नीमच** श्री सुनील सगरावत (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री इंदरसिंह परमार
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
(भारसाधक अधिकारी)
श्री चिमनसिंह मंडलोई
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति झाबुआ, (जि.झाबुआ)

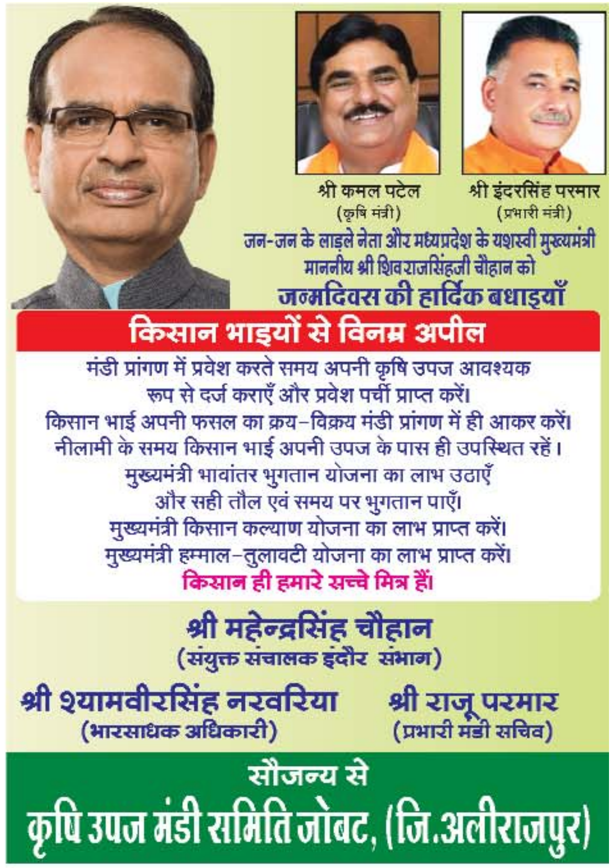
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री इंदरसिंह परमार
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री श्यामवीरसिंह नरवरिया
(भारसाधक अधिकारी)
श्री राजू परमार
(प्रभारी मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति जोबट, (जि.अलीराजपुर)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और
मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री मिलिंद डोके
(भारसाधक अधिकारी)
श्री के.डी. अग्निहोत्री
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति खरगोन, (जि.खरगोन)

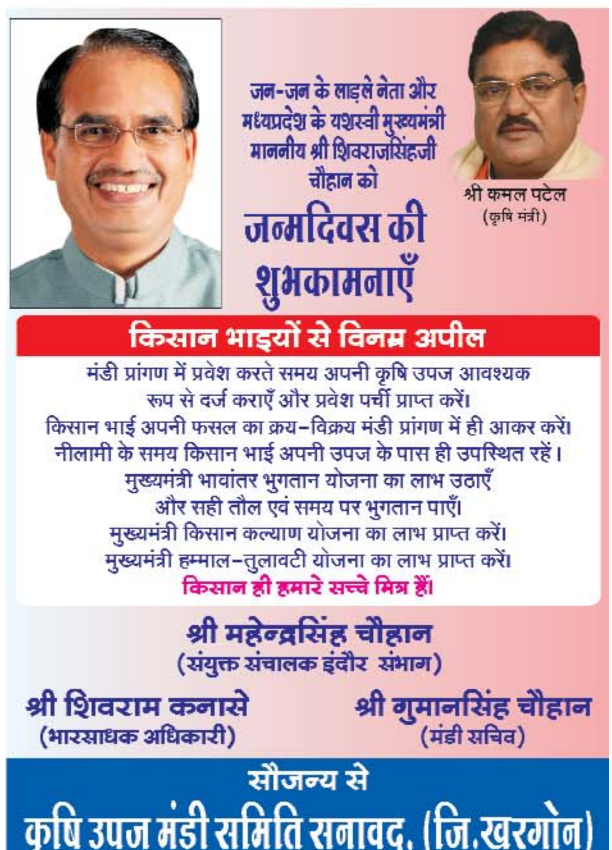
जन-जन के लाड़ले नेता और
मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी
चौहान को
जन्मदिवस की
शुभकामनाएँ
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री शिवराम कनासे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री गुमानसिंह चौहान
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सनावद, (जि.खरगोन)

जन्मदिन विशेष

परिश्रम की पराकाष्ठा

- जन्म 5 मार्च 1959
- पिता स्व. श्री प्रेम सिंह चौहान और माता श्रीमती सुंदरबाई चौहान
- वर्ष 1992 में श्रीमती साधना सिंह के साथ विवाह।
- स्नातकोत्तर (दर्शनशास्त्र) तक स्वर्ण पदक के साथ शिक्षा।
- सन् 1975 में मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्रसंघ अध्यक्ष।
- आपात काल का विरोध और 1976-77 में भोपाल जेल में निरूद्ध।
- अनेक जन समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन और जेल यात्राएं।
- सन् 1977 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक।
- श्री चौहान वर्ष 1998 में विदिशा संसदीय क्षेत्र से ही तीसरी बार 12 वीं लोक सभा के लिए सांसद चुने गये। वह 1998-99 में प्राक्क लन समिति के सदस्य रहे। श्री चौहान वर्ष 1999 में विदिशा से चौथी बार 13 वीं लोक सभा के लिये सांसद निर्वाचित हुए।
- 2000 से 2003 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे।
- वर्ष 2005 में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किये गये।
- 29 नवम्बर 2005 को पहली बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली
- 12 दिसम्बर 2008 को भोपाल के जम्बूरी मैदान में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।
- 14 दिसम्बर 2013 को भोपाल के जम्बूरी मैदान में लगातार तीसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
- 23 मार्च 2020 को प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।

एक सूत्र वाक्य है परिश्रम की पराकाष्ठा ..जो सुनने में भी कई जगह आ जाता है लेकिन सच यह है कि इस वाक्य को जीवन मे उतारना बहुत ही बिरले लोगो के ही वश में होता है। इन्ही बिरले लोगो मे शामिल है शिवराज सिंह चौहान। इसके साथ ही जब किसी मे समाज के अंतिम व्यक्ति के चेहरे पर भी खुशियां लाने की जिद हो उनके लिए काम करने का जज़्बा हो तो वह उस व्यक्ति को राजनीति में उस स्थान पर खड़ा कर देता है जहाँ आज तक बहुत कम ही लोग पहुंचे है।

5 मार्च, 1959 को सीहोर जिले के नर्मदा किनारे स्थित एक छोटे से गांव जैत में मध्यमवर्गीय परिवार में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्म हुआ। माता-पिता के संस्कारों ने उन्हें सिखाया कि अपनी जड़ों से कभी जुदा मत होना। जीवन में कभी ऐसा कार्य नहीं करना कि लोग तुमसे घृणा करें। शायद यही सीख उन्होंने आत्मसात कर ली। यही कारण है कि समाज का कोई ऐसा वर्ग नही हो जिसकी चिंता उन्होंने नहीं की हो। किसान पुत्र होने के कारण निश्चित ही उन्होंने किसानों का जीवन संवारने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किये लेकिन ऐसा नही है कि दूसरे वर्ग को उन्होंने कम प्राथमिकता दी। महिला और बेटियो के लिए तो उन्होंने सच मे मामा बनकर ही काम किया। चाहे वह लाडली लक्ष्मी योजना हो या कन्यादान योजना या फिर बेटियो को शिक्षित करने की योजनाएं हो उन्होंने हमेशा यही चाहा की इस आधी आबादी को समान ओर सुरक्षा कैसे दी जा सके। आज अगर प्रदेश में किसान खुशहाल है तो उसके पीछे कारण भी शिवराज जी है। कहने का अर्थ यह है कि शिवराज जी ने सभी वर्गों की चिंता तो की ही उनके लिए रात दिन जी जान से जुटे रहे और आज भी जुटे है।

वृक्षारोपण को बनाया जन-सामान्य की आदत

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को 19 फरवरी 2022 को प्रतिदिन पौध-रोपण करते हुए एक वर्ष पूर्ण हो रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अमरकंटक में 19 फरवरी 2021 नर्मदा जयंती पर प्रतिदिन पौध-रोपण का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवधि में 490 पौधे रोपे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट किया है कि पेड़ मनुष्यों को तो जीवन देते ही हैं, पशु-पक्षी, जीव-जन्तु, कीट-पतंगों को भी आश्रय और जीवन देते हैं। धरती आने वाली पीढ़ियों के रहने योग्य बनी रहे, इसलिए वृक्षारोपण जरूरी है। अगले साल भी वृक्षारोपण का यह अभियान जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग

के दुष्प्रभावों से पृथ्वी तथा आगामी पीढ़ियों को बचाने के लिए पौध-रोपण को सबसे सरल और सभी के द्वारा की जाने वाली गतिविधि मानते हैं। इस पुनीत कार्य में जन-जन के सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं और व्यक्तिगत स्तर पर पर्यावरण-संरक्षण और स्वच्छता की गतिविधियों में योगदान देने वाले व्यक्तियों के साथ पौध-रोपण किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान जन-सामान्य को अपने परिजन की स्मृति में, परिवार के सदस्यों और मित्रों के जन्म-दिवस तथा अन्य शुभ अवसरों पर भी पौधा लगाने के लिए प्रेरित करते रहे हैं।

आरंभ किया प्रदेशव्यापी अंकुर अभियान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में जन-भागादारी से वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस - 5 जून 2021 को प्रदेशव्यापी अंकुर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसमें वायुदूत एप भी लांच किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को एप पर रजिस्ट्रेशन कराकर स्वयं के द्वारा लगाए गए पौधे की फोटो अपलोड करने की व्यवस्था है। लगाए गए पौधे की एक माह बाद पुन: फोटो अपलोड की जाना है। इनमें से चयनित प्रतिभागियों को प्राण वायु अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा वृक्षारोपण गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के इन प्रयासों से प्रदेश में पौध-रोपण गतिविधि में विस्तार हुआ है। शासकीय कार्यक्रमों के साथ जन-सामान्य द्वारा अपने परिवार के शुभ आयोजनों और परिजन की स्मृति में भी पौध-रोपण किया जा रहा है। भेंट के रूप में पौधे देने का प्रचलन भी निरंतर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उन्हें भेंट में प्राप्त हो रहे पौधों का वृक्ष बैंक बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान के इन प्रयासों से प्रदेश में पौध-रोपण को जन-सामान्य की आदत बनाने में मदद मिली है।

मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान
को जन्मदिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंहजी चौहान को जन्मदिवस की बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आलोक कुमार जैन
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम

जन-जन के लाड़ले नेता
और मध्यप्रदेश के
यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय
श्री शिवराजसिंहजी
चौहान को

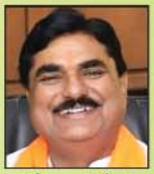

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

सुश्री शिराली जैन
(भारसाधक अधिकारी)

श्री भगवान साठे
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति भीकनगाँव, (जि.खरगोन)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता
और मध्यप्रदेश के
यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय
श्री शिवराजसिंहजी
चौहान को

जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री संघ प्रिय
(भारसाधक अधिकारी)

श्री जितेन्द्र सिंह हाड़ा
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति कसरावद, (जि.खरगोन)

जन-जन के लाड़ले नेता
और मध्यप्रदेश के
यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय
श्री शिवराजसिंहजी
चौहान को

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्रीमती वंदना चौहान
(भारसाधक अधिकारी)

श्री रमेशचंद्र वास्के
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सेगाँव, (जि.खरगोन)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता
और मध्यप्रदेश के
यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय
श्री शिवराजसिंहजी
चौहान को

जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री शिवराम कनासे
(भारसाधक अधिकारी)

श्री राधेश्याम सिर्वी
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बेड़िया, (जि.खरगोन)

भारत में गेहूं निर्यात के अवसर

■ रविन्द्र पस्तोर

गेहूं की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। 7 मार्च को, अमेरिका जैसे निर्यातक देशों में गेहूं की कीमतें 3 जनवरी को 275-280 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 525 डॉलर प्रति टन हो गईं। अन्य गेहूं निर्यातक देशों ने भी इसका पालन किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई गेहूं निर्यात मूल्य 395 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गया है। अर्जेंटीना 425 डॉलर/टन पर, 460 डॉलर/टन पर, और कनाडा 478 डॉलर/टन पर। रूस और यू ेन आम तौर पर लगभग 200 मिलियन टन के कुल वैश्विक बाजार में लगभग 50-55 मिलियन मीट्रिक टन निर्यात करते हैं।

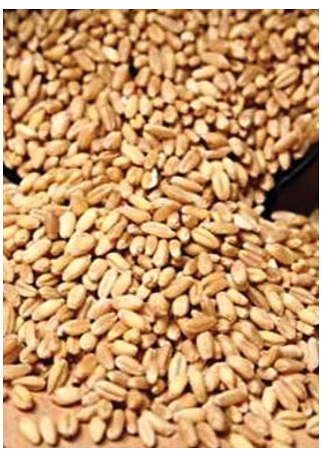

भारत का गेहूं निर्यात मुख्य रूप से पड़ोसी देशों को होता है, जिसमें 2020-21 में मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से सबसे बड़ा हिस्सा बांग्लादेश का है। भारत से शीर्ष गेहूं आयातक बांग्लादेश, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, यमन, अफगानिस्तान, कतर, इंडोनेशिया, ओमान और मलेशिया हैं। भारत से गेहूं के निर्यात की मात्रा बढ़ रही है। व्यापार डेटा से पता चलता है कि जनवरी 2022 में गेहूं के निर्यात की मात्रा में 215 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा, यह उत्साहजनक है कि भारत का गेहूं उत्पादन 2021-22 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में 111.32 मिलियन टन के एक नए रिकॉर्ड को छूने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष में 109.59 मिलियन टन कृषि मंत्रालय के दूसरे के अनुसार था। अग्रिम अनुमान।

हाल ही में रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, व्यापारी अब किसी भी निर्यात अवसर को भुनाने के इच्छुक हैं। भारत घरेलू बिक्री के लिए उत्पादकों को लगभग 257 डॉलर प्रति टन की गारंटी देता है, जबकि बेंचमार्क यूरोपीय गेहूं सोमवार को 400 यूरो (435 डॉलर) से ऊपर उछल गया और शिकागो में बेंचमार्क गेहूं की कीमतें 14 वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर आ गईं। विश्व गेहूं निर्यात में भारत की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम है। हालांकि, इसका हिस्सा 2016 में 0.14 प्रतिशत से बढ़कर 2020 में 0.54 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया के कुल उत्पादन में लगभग 13.53 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत सालाना लगभग 109.59 मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन करता है जबकि इसका एक बड़ा हिस्सा घरेलू खपत में जाता है।

यूपी गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक है और इसमें सबसे ज्यादा हिस्सेदारी होनी चाहिए। केंद्रीय पूल में पंजाब और मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा योगदान है। हरियाणा, बिहार, राजस्थान और गुजरात अन्य हैं। कृषि उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) द्वारा विभिन्न देशों में बी-2-बी प्रदर्शनियों का आयोजन करने, नए संभावित बाजारों की खोज करने और भारतीय की सक्रिय भागीदारी के साथ विपणन अभियान शुरू करने जैसी विभिन्न पहल करने के कारण गेहूं के निर्यात में वृद्धि हासिल की गई है। एपीडा निर्यात परीक्षण और अवशेष निगरानी योजनाओं के लिए मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के उन्नयन और सुदृढ़ीकरण में भी सहायता करता है। एपीडा कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, गुणवत्ता में सुधार और बाजार विकास की वित्तीय सहायता योजनाओं के तहत सहायता भी प्रदान करता है।

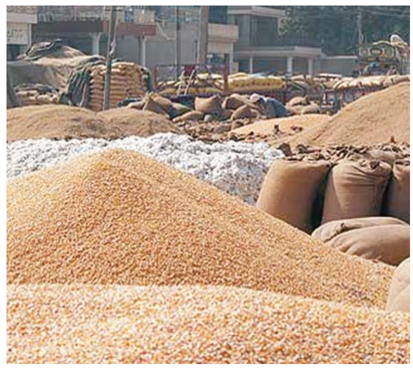

कांडला, मुंबई के जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह और विशाखापत्तनम जैसे भारत के कई प्रमुख बंदरगाहों पर उभरती बाधाओं के अलावा, उद्योग आपूर्ति पक्ष में व्यवधान देख रहा है क्योंकि अधिकांश प्रमुख अनाज बाजार बंदरगाह से दूर हैं। किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीओ) के पास बहुत अच्छे अवसर हैं यदि वे एक ही गुणवत्ता की सामग्री को बड़ी मात्रा में आपूर्ति कर सकते हैं। एफपीओ खराब गुणवत्ता या मिश्रित गुणवत्ता वाली सामग्री के कारण खेप की अस्वीकृति को कम कर सकते हैं और किसान अपनी फसल को एमएसपी से अधिक कीमत पर बेच सकते हैं। लेकिन बाजार की यह अनुकूल स्थिति हमेशा बनी नहीं रहेगी, इसलिए यह निर्यात के लिए नए बाजारों पर कब्जा करने की शुरुआत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का किया लोकार्पण

कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने प्रेरणा बनेगा इंदौर : श्री मोदी

प्रधानमंत्री के स्वच्छता संकल्प को चरितार्थ करेगा मध्यप्रदेश : चौहान

इंदौर/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने का इंदौर मॉडल अन्य शहरों के लिए प्रेरणा बनेगा। इंदौर के देवगुराड़िया क्षेत्र में कभी कूड़े के पहाड़ थे, अब वहाँ 100 एकड़ की डंप साइट ग्रीन जोन में परिवर्तित हो गई है। इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट बनने से वेस्ट-टू-वेल्थ तथा सर्कुलर इकोनामी की परिकल्पना साकार हुई है। इससे भारत के स्वच्छता अभियान भाग-2 को नई ताकत मिलेगी, जिसके अंतर्गत आने वाले 2 वर्षों में देश के सभी शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त कर ग्रीन जोन बना दिया जाएगा। इंदौर शहर ने वाटर प्लस की भी उपलब्धि हासिल की है, अब यह शहर देश के अन्य शहरों को इस क्षेत्र में भी प्रेरणा देगा। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी टीम ने बड़ा काम कर दिखाया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का लोकार्पण कर रहे थे। मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, केंद्रीय, सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर, राज्य शासन के मंत्री, सांसद, विधायक सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर की बहनों ने कूड़ा प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कूड़े को 6 हिस्सों में अलग-अलग बाँट कर उसका निस्तारण किया है। यह री-साइकिलिंग संस्कार, देश की बड़ी सेवा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर के सफाईकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना के मुश्किल समय में उनकी सेवा सराहनीय है। मैं दिल्ली से इंदौर के सफाईकर्मियों को प्रणाम एवं नमन करता हूँ।

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर है इसमें कोई दो राय नहीं है। लगातार 5 वर्षों से स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम आकर इंदौर ने देश में कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि इंदौर देश का पहला शहर था, जिसे वाटर प्लस स्टेटस प्रमाणित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर के अपनी तरह के अनोखे गोबर धन सीएनजी संयंत्र के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी सहित सभी वर्चुअली और एक्चुअली उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की प्रेरणा से इंदौर ने 'वेस्ट-टू-वेल्थ' के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। हमें गर्व है कि गीले कचरे से सीएनजी बनाने वाले इस एशिया के सबसे बड़े गोबर-धन प्लांट का आज प्रधानमंत्री जी वर्चुअल लोकार्पण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छता और पर्यावरण से जुड़े विषयों पर पूरी दुनिया को दिशा दी है। प्रधानमंत्री जी के लिए विश्व के अन्य देशों के प्रमुख वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड और वन नरेन्द्र मोदी जैसी प्रशंसनीय उक्ति का प्रयोग करते हैं। गृह मंत्री एवं इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कचरा मुक्त शहर बनाने के समग्र दृष्टिकोण तथा वेस्ट-टू-वेल्थ के सिद्धांत के अन्तर्गत स्थापित इंदौर का यह बायो सीएनजी प्लांट प्रदेश के विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के लिये एक महत्वपूर्ण घटक सिद्ध होगा।

जल संसाधन मंत्री श्रीतुलसीराम सिलावट ने कहा कि इंदौर में निर्मित एशिया का सबसे बड़ा गोबर धन प्लांट आज देश एवं प्रदेश के लिए पर्यावरण संरक्षण के सफर में मील का नया पत्थर सिद्ध होगा। शहरी विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीओपीएस भदौरिया ने कहा कि इस बायो सीएनजी प्लांट के लोकार्पण से देश में शहरी स्वच्छता को नया आयाम मिलेगा। सांसद श्रीशंकर लालवानी ने कहा कि इंदौर में आज लोकार्पित एशिया का सबसे बड़ा बायो सीएनजी प्लांट न केवल प्रदूषण के स्तर को कम करेगा, बल्कि वायु गुणवत्ता में भी सुधार लाएगा। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नेशनल इन्वेस्टमेंट एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड श्रीसुजॉय घोष एवं व्यापार आयुक्त दक्षिण एशिया श्रीएलन जम्मेल ने गोवर्धन प्लांट की तकनीकी जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से मंत्रीगण, सांसद, विधायक, अन्य जन-प्रतिनिधि सहित नागरिक शामिल हुए।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

जन–जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराजसिंजी चौहान को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री हर्ष दीक्षित (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री जी.पी. सोनकुसरे (उपायुक्त सहकारिता)

श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.आर.सरोठिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री श्यामसुंदरसिंह चंद्रावत (शा.प्र. कुरावर) श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा (शा.प्र. खुजनेर) श्री के.एन. नागर (शा.प्र. छापीहेड़ा)
श्री बृजकिशोर माहेश्वरी (पर्य. कुरावर) श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (पर्य. खुजनेर) श्री महेश कुमार गुप्ता (पर्य. छापीहेड़ा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुरावर, जि.राजगढ़
श्री रमेश कुमार नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. माना, जि.राजगढ़
श्री कैलाश नारायण विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लश्करपुर, जि.राजगढ़
श्री लक्ष्मीचंद्र नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नि.चेतन, जि.राजगढ़
श्री बृजमोहन माहेश्वरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोटरीकलां, जि.राजगढ़
श्री बृजमोहन माहेश्वरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झाडला, जि.राजगढ़
श्री राजमल मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जा.गणेश, जि.राजगढ़
श्री बृजमोहन माहेश्वरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिजोरी, जि.राजगढ़
श्री लक्ष्मीनारायण मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गीलाखेड़ी, जि.राजगढ़
श्री लाड़सिंह सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जा.गो.चौहान, जि.राजगढ़
श्री माँगीलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लिम्बोदा, जि.राजगढ़
श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भ्याना, जि.राजगढ़
श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिडलावनिया, जि.राजगढ़
श्री भारत सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खुजनेर, जि.राजगढ़
श्री मुकेश सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सण्डावता, जि.राजगढ़
श्री मुकेश सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धामन्दा, जि.राजगढ़
श्री मुकेश सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बखेड़, जि.राजगढ़
श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पाटक्या, जि.राजगढ़
श्री मथुरालाल नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टूनी, जि.राजगढ़
श्री रोडमल कुम्भकार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बामनगाँव, जि.राजगढ़
श्री नारायणसिंह उमठ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुआखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री रायसिंह दांगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिमरोल, जि.राजगढ़
श्री राधेश्याम यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छापीहेड़ा, जि.राजगढ़
श्री महेश कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहन, जि.राजगढ़
श्री महेश कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाटखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री रायसिंह दांगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ब्यावराकला, जि.राजगढ़
श्री महेश कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

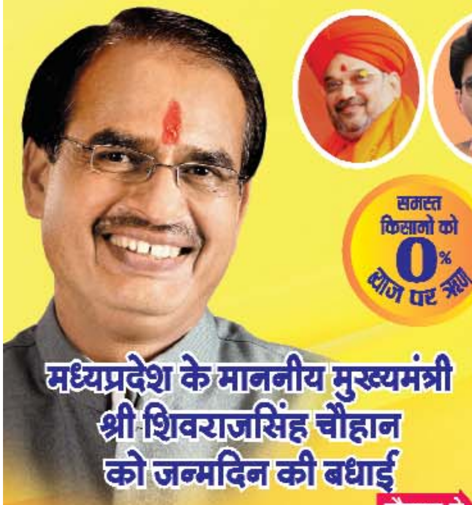

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानो को 0% ब्याज पर ऋण

श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता) | श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिन की बधाई

सौजन्य से

श्री विजय सक्सेना (शा.प्र. बिलकिसगंज) | श्री शैलेन्द्र बिसोरिया (शा.प्र. श्यामपुर)
श्री राधेश्याम सोलंकी (शा.प्र. हकीमाबाद) | श्री करणसिंह वर्मा (शा.प्र. खाचरौद)
श्री कैलाश तिवारी (शा.प्र. शाहगंज) | श्री राधेश्याम प्रजापति (शा.प्र. बकतरा)
श्री रघुवीरसिंह मालवीय (शा.प्र. बुधनी) | श्री मूलचंद जायसवाल (पर्य. बुधनी))

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बनेटा, जि.सीहोर
श्री नीरज पाण्डे (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सत्रामऊ, जि.सीहोर
श्री राजकुमार मीणा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बमूलिया, जि.सीहोर
श्री अशोक परमार (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. दुपाड़िया, जि.सीहोर
श्री सजनसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सरदार नगर, जि.सीहोर
श्री नेमी शर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बिलकिसगंज, जि.सीहोर
श्री देवकरण मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. हकीमाबाद, जि.सीहोर
श्री मोहन परमार (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. जवाहरखेड़ा, जि.सीहोर
श्री रघुराजसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ढाबला, जि.सीहोर
श्री शंकरलाल सेन (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. लोरासखुर्द, जि.सीहोर
श्री हेमराज मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बकतरा, जि.सीहोर
श्री पवन चौहान (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. उलझावन, जि.सीहोर
श्री मोहनसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मैना, जि.सीहोर
श्री गोविन्द सरोठिया (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. कुसुमखेड़ा, जि.सीहोर
श्री मनमोहनसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बाबड़िया चोर, जि.सीहोर
श्री सुरेश सोनी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सेवदा, जि.सीहोर
श्री कैलाशसिंह चौधरी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नांदनेर, जि.सीहोर
श्री हरप्रसाद भार्गव (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खण्डवा, जि.सीहोर
श्री शिवप्रसाद जामलिया (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. कन्नौद मिर्जी, जि.सीहोर
श्री कमलसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गादर, जि.सीहोर
श्री रमेश कुमार चौहान (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खजुरियाकलां, जि.सीहोर
श्री प्रभुलाल गौर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पगारिया हाट, जि.सीहोर
श्री तुलसीराम बडोलिया (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बुधनी, जि.सीहोर
श्री संजय सिंह तोमर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पानबिहार, जि.सीहोर
श्री लक्ष्मीनारायण चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सिद्धीकगंज, जि.सीहोर
श्री संतोष जैन (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बाया, जि.सीहोर
श्री मूलचंद जायसवाल (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सिराडी, जि.सीहोर
श्री गुलाबसिंह मीणा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खामखेड़ा जत्रा, जि.सीहोर
श्री राजकुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. माथनी, जि.सीहोर
श्री शिवहरि नागर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सौठी, जि.सीहोर
श्री कैलाश विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. शाहगंज, जि.सीहोर
श्री दशरथसिंह यादव (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. जोशीपुर, जि.सीहोर
श्री संजय सिंह तोमर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में इंदौर से शुरू हुआ 'मेरी पॉलिसी-मेरे हाथ' अभियान

फसल नुकसानी का किसानों को मिलेगा पूरा मुआवजा

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 'मेरी पॉलिसी-मेरे हाथ' अभियान का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ इंदौर के बरलई में किया। किसानों को फसल बीमा योजना की पॉलिसी वितरित की गई। यह अभियान एक अनूठी पहल है, जिसमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में नामांकित किसानों को ग्राम पंचायत/ग्राम स्तर पर विशेष शिविरों के माध्यम से फसल बीमा पॉलिसी की हार्ड कॉपी वितरित की जाएगी। अभियान का उद्देश्य योजना में नामांकित सभी ऋणी और गैर-ऋणी किसानों तक पहुँचना एवं उन्हें फसल बीमा के बारे में जागरूक करना भी है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के हित में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरूआत मध्यप्रदेश से ही की थी। अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मेरी पॉलिसी-मेरे हाथ योजना का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ भी मध्यप्रदेश से हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में इस अभियान में गाँव-गाँव शिविर लगाए जाएंगे और किसानों को उनके घर पर ही बीमा पॉलिसी उनके हाथ में पहुँचाई जाएगी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जैविक कृषि उत्पादन का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। जैविक उत्पादन के दाम भी किसानों को अच्छे मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश में जैविक खेती का रकबा बढ़ रहा है। साथ ही जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कारगर प्रयास किये जा रहे हैं। फलस्वरूप जैविक खेती के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में अव्वल स्थान पर है। जलसंसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि किसानों का विकास राष्ट्र का विकास है। किसानों का विकास एवं प्रगति हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि सांवेर क्षेत्र में तीन हजार करोड़ रुपए की लागत से 180 गाँवों में नर्मदा जल पहुँचाने की योजना लाई गई है।

प्रदेश के कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि फसल बीमा योजना किसानों के जीवन एवं फसल का कवच है। संकट आने पर फसल क्षति का मुआवजा मिलेगा। पॉलिसी उनके पास होगी तो उन्हें भटकना नहीं पड़ेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि खेती को फायदे का धंधा बनाना हमारा मुख्य ध्येय हैं। किसानों की उन्नति एवं प्रगति हमारी प्राथमिकता है। किसान खुशहाल रहे, इस दिशा में कारगर प्रयास किए जा रहे हैं।

उद्यानिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि केंद्र और राज्य शासन किसानों के हितों के प्रति संकल्पबद्ध है। किसानों के हित में अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। किसानों के सम्मान का भी ध्यान रखा जा रहा है। किसानों को 6 हजार रूपये केंद्र और 4 हजार रूपये राज्य सरकार की ओर से सम्मान निधि दी जा रही है। इस तरह किसानों को प्रति वर्ष 10 हजार रूपये की सम्मान राशि मिल रही है।

सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि प्रदेश ही नहीं देश में नया इतिहास है, जब इस तरह की योजना का शुभारंभ हुआ। यह योजना किसानों के लिए वरदान है। केन्द्र और राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में अनेक लाभकारी योजनाएँ क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि आलू, प्याज एवं लहसुन के निर्यात की व्यवस्था की जाना चाहिये। कार्यक्रम में फसल बीमा योजना तथा जैविक खेती पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान थीम गीत का विमोचन भी किया। किसानों को योजनाओं की जानकारी देने, जैविक खेती और आधुनिक कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या-पूजन के साथ हुआ। इस मौके पर जन-प्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री हरदीपसिंह डंग
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री वीरसिंह चौहान
(भारसाधक अधिकारी)
श्री सतीश पालीवाल
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति अंजड़, (जि.बड़वानी)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री हरदीपसिंह डंग
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
सुश्री अंशु जावला
(भारसाधक अधिकारी)
श्री मंशाराम जमरे
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति खेतिया, (जि.बड़वानी)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
सुश्री उषा ठाकुर
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री अरविंद कुमार चौहान
(भारसाधक अधिकारी)
श्रीमती शर्मिला निनामा
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति खंडवा, (जि.खंडवा)

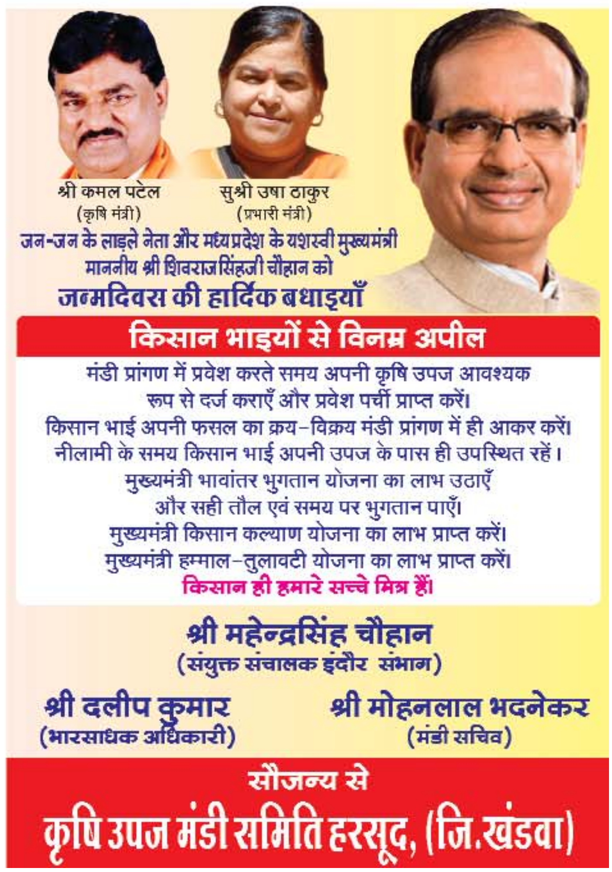
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
सुश्री उषा ठाकुर
(प्रभारी मंत्री)
जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री दलीप कुमार
(भारसाधक अधिकारी)
श्री मोहनलाल भदनेकर
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति हरसूद, (जि.खंडवा)

प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री
श्री शिवराजसिंहजी चौहान
को जन्मदिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से
श्री विजयपाल सिंह सोनगरा (शा.प्र. खाचरौद)
श्री बलवीरसिंह चौहान (शा.प्र. भेरूगढ़)
श्री विनय पोरवाल (शा.प्र. चिमनगंजमंडी)

श्री बी.एल.मकवाना
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

श्री ओ.पी.गुप्ता
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री विशेष श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नायन, जि.उज्जैन
श्री वीरेन्द्रसिंह पंवार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कनवास, जि.उज्जैन
श्री मनोज पाण्डे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिरौला, जि.उज्जैन
श्री धर्मेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेहलोला, जि.उज्जैन
श्री जितेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरेड़ीपाता, जि.उज्जैन
श्री भगवती शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भीकमपुर, जि.उज्जैन
श्री शाकिब अहमद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पचलासी, जि.उज्जैन
श्री ओमप्रकाश पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. संदला, जि.उज्जैन
श्री ईश्वरलाल गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंडावदा, जि.उज्जैन
श्री कचरूलाल प्रजापत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सर्वोदय, जि.उज्जैन
श्री आनंदीलाल व्यास (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नद्यांसी, जि.उज्जैन
श्री दीपसिंह डोडिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरसिंहगढ़, जि.उज्जैन
श्री नंदकिशोर राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कमठाना, जि.उज्जैन
श्री अंतरसिंह जाधव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोडंग, जि.उज्जैन
श्री सज्जाद कुरैशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रूई, जि.उज्जैन
श्री ओमप्रकाश चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कालियादेह, जि.उज्जैन
श्री सुरेन्द्र उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उज्जैन, जि.उज्जैन
श्री दीपक बैरागी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोयलाबुजुर्ग, जि.उज्जैन
श्री नानकराम टहलवानी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामगढ़, जि.उज्जैन
श्री फिरोज खान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरखेड़ा भल्ला, जि.उज्जैन
श्री राजेश नायक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपल्याहामा, जि.उज्जैन
श्री कन्हैयालाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अम्बोदिया, जि.उज्जैन
श्री बसंतीलाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रातड़िया, जि.उज्जैन
श्री देवदत्त बर्वे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नलवा, जि.उज्जैन
श्री मोहनलाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जैथल, जि.उज्जैन
श्री प्रहलादसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबला रेहवारी, जि.उज्जैन
श्री राजेशसिंह तोमर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उन्डासा, जि.उज्जैन
श्री दीनदयाल शर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

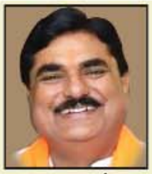

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)　श्री ओ.पी.एस.भदौरिया (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री रमेश कुमार शुक्ला (भारसाधक अधिकारी)　**श्री विनोद कुमार जैन** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति आलोट, (जि.रतलाम)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)　सुश्री उषा ठाकुर (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्रीमती ममता खेड़े (भारसाधक अधिकारी)　**श्री सतीश पटेल** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति नीमच, (जि.नीमच)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)　सुश्री उषा ठाकुर (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्रीमती शिवानी गर्ग (भारसाधक अधिकारी)　**श्री पर्वतसिंह मालवीय** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति मनासा, (जि.नीमच)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)　सुश्री उषा ठाकुर (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री राजेन्द्र कुमार सिंह (भारसाधक अधिकारी)　**श्री गोवर्धनसिंह शेखावत** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति जावद (जि.नीमच)

रहस मेला लोककला को जीवित रखने का सार्थक प्रयास

सागर। राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल ने सागर जिले के गढ़ाकोटा में वर्षों से आयोजित हो रहे रहस लोकोत्सव मेला और विशाल आदिवासी सांस्कृतिक सम्मेलन का शुभारंभ करने के बाद कहा कि मेले लोक कला और संस्कृति को जीवित रखने का सार्थक प्रयास है। इस दिशा में रहस मेला का आयोजन एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि रहस मेले जैसे आयोजन से युवा पीढ़ी तो लोक संस्कृति से परिचित होती ही है, साथ ही हमारी संस्कृति, सभ्यता और परंपरा भी संरक्षित होती है। शुभारंभ कार्यक्रम में आयोजक लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव, खनिज साधन और श्रम मंत्री श्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, श्री गौरव सिरोठिया, संभागायुक्त श्री मुकेश शुक्ला, आईजी श्री अनुराग, कलेक्टर श्री दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक श्री तरुण नायक सहित अनेक जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि अपने कुल की वीर बलिदानियों को याद रखने के लिए यह मेला यादगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि महारानी दुर्गावती, शंकर शाह, रघुनाथ शाह, तात्या भीम, भीमा नायक सहित अनेक ऐसे बलिदानी रहे जिनको आज हमें याद रखना होगा। श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय समाज के उत्थान के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार जो कार्य कर रही हैं, उसके माध्यम से जनजातीय समाज अवश्य आगे बढ़ेगा।

लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने लोगों से कहा कि रहस लोकोत्सव मेला में आनंद के साथ शासन की लोक कल्याणकारी योजना का लाभ अवश्य प्राप्त करें। 214 वर्ष पुराने इस रहस मेले को सहेज कर रखने में सभी का सहयोग मिल रहा है।

खनिज साधन मंत्री श्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि श्री भार्गव और श्री अभिषेक भार्गव के द्वारा जो प्राचीन एवं बुंदेली परंपरा को सहेज कर आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है, वह अद्भुत व अनुकरणीय है। कार्यक्रम के अंत में आभार आदिवासी नेता श्री धैर्य प्रताप सिंह गोंड ने माना। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद जैन एवं श्री विक्की जैन ने किया। रहस मेला में विभिन्न शासकीय विभागों की ओर से स्टॉल एवं उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।

मेरा सागर से पारिवारिक संबंध : श्री सिंधिया

रहस मेले के दूसरे दिन केंद्र सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्य अतिथि के रूम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं, सागर-रहली का मेहमान नहीं, मेरा सागर से पारिवारिक संबंध है। यहां से मिली सीख लगातार मुझे सही दिशा देने का कार्य करती है। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, जलसंसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, स्वास्थ्य मंत्री डॉ.प्रभुराम चौधरी आदि गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में जन समुदाय मौजूद था।

श्री सिंधिया ने कहा कि इस क्षेत्र में एक नया पौधा बन रहा है। जिसका नाम अभिषेक भार्गव है। मैं अभिषेक भार्गव के द्वारा इतने सफल मेले के आयोजन की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं पहले मानता था कि मप्र में केवल ग्वालियर का मेला ही बड़ा है। किंतु, आज यहां देखकर लगा कि यह मेला ग्वालियर के मेले के बराबर है। उन्होंने कहा कि मेरा सागर से मेहमान नवाजी का कोई संबंध नहीं है, मैं यहां का ही पारिवारिक सदस्य हूं। उन्होंने कहा कि, मैं केवल ग्वालियर का नागरिक नहीं बल्कि सागर के खून के रूप में आपके समक्ष खड़ा हूं।

कृषि में निरंतर प्रगति कर रहा भारत : श्री तोमर

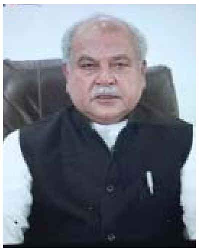

नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि भारत कृषि क्षेत्र में प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है और दुनिया की सबसे बड़ी अनुसंधान व विकास प्रणालियों में से एक है, जो सर्वोत्तम पद्धतियों को अन्य देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार है एवं अन्य विकासशील देशों की क्षमताओं का निर्माण करने के साथ अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करता रहेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने यह बात 36वें एशिया-प्रशांत एफएओ (खाद्य एवं कृषि संगठन) क्षेत्रीय सम्मेलन में वर्चुअल कही। सम्मेलन में श्री तोमर ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण, आपूर्ति श्रृंखलाओं में विभिन्न व्यवधानों के बावजूद, भारत में कृषि क्षेत्र ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। आपूर्ति श्रृंखलाओं को खुला रखने और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विभिन्न फसलों की खरीद के बेहतर तंत्र के माध्यम से, किसानों को प्रत्यक्ष बाजार सहायता प्रदान करते हुए हमारे सक्रिय नीतिगत हस्तक्षेपों के द्वारा कृषि क्षेत्र का सकारात्मक प्रदर्शन संभव हो पाया है। भारत सरकार द्वारा खरीदा खाद्यान्न करीब अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त में प्रदान किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महामारी के दौर में भी कोई व्यक्ति भूखा नहीं रहे।

श्री तोमर ने कहा कि भारत कृषि क्षेत्र को सतत व लचीला बनाकर किसानों के जीवन और आजीविका में सुधार लाने का प्रयास कर रहा हैं, जिसके लिए राष्ट्रीय स्तर के अनेक कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता दी जा रही है, अब तक साढ़े ग्यारह करोड़ से ज्यादा किसानों के बैंक खातों में 1.82 लाख करोड़ रुपए जमा किए जा चुके हैं। भारत परंपरागत कृषि विकास योजना व पूर्वोत्तर क्षेत्र जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा हैं।

किसान मोबाइल से कर सकेंगे गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन

भोपाल। रबी विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जित करने के लिए किसानों की सुविधा हेतु किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। अब किसान स्वयं के मोबाइल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। किसान द्वारा निम्नलिखित स्थानों/तरीकों से पंजीयन कराया जा सकेगा। कृषकों के लिए स्वयं के मोबाइल अथवा कम्प्यूटर से पंजीयन हेतु निर्धारित लिंक पर जाकर, ग्राम पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, पूर्व वर्षों की भांति सहकारी समिति, एस.एच.जी., एफ.पी.ओ., एफपीसी द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर जाकर पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। किसानों को 50 रूपए शुल्क के साथ पंजीयन व्यवस्था के लिए एमपी ऑनलाईन कियोस्क पर, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क पर किया जा सकता है।

वर्गीकृत विज्ञापन सेवा

'हरियाली के रास्ते' के पाठकों और तहसील, पंचायत स्तर के छोटे विज्ञापनदाताओं के लिए वर्गीकृत विज्ञापन सेवा में आप निम्न प्रकार से विज्ञापन प्रकाशित करा सकते हैं।

व्यक्तिगत क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए निर्धारित कैटेगरी

खरीदना/बेचना, ट्रैक्टर ट्रॉली, थ्रेशर, खेत, मकान, मोटर, साइकल, पशु, मोटर, जनरेटर आदि, बीज, औषधीय फसल

मात्र 800 रु. में 4 माह तक प्रत्येक संस्करण अधिकतम 25 शब्द

अतिरिक्त शब्दों के लिए 3 रु. प्रति शब्द अधिकतम 40 शब्दों तक

प्रकाशन शुल्क का अग्रिम भुगतान नगद/ मनी ऑर्डर/ बैंक ड्राफ्ट द्वारा भेज सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :-

डिस्प्ले क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए निर्धारित कैटेगरी

बीज कंपनी, कीटनाशक, जैविक खाद, ट्रैवल्स, तीर्थयात्राएँ, आवश्यकता, ऑटोमोबाइल, कृषि सेवा केन्द्र, शिक्षण संस्थाएँ, प्रशिक्षण, बारदाने, कोल्ड स्टोरेज, गोदाम, होस्टल, वित्तीय सेवाएँ, चिकित्सा, एग्री क्लीनिक आदि

विज्ञापन दर : 15 रु./वर्ग सेमी/ प्रति अंक

आकार : न्यूनतम 4×5 सेमी = 20 वर्ग सेमी
अधिकतम 8×5 सेमी = 40 वर्ग सेमी

सम्पर्क करें : **हरियाली के रास्ते**
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186, ई-मेल : hariyalikeraste2010@gmail.com

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान
को जन्मदिन की बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त
किसानों को
0%
ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल.मकवाना
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्री ओ.पी.गुप्ता
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. उज्जैन

मुख्यमंत्री
श्री शिवराजसिंह
चौहान को
जन्मदिन की
बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त
किसानों को
0%
ब्याज पर ऋण
श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)

श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री रामलाल मुनिया (भारसाधक अधिकारी)

श्री प्रवीण चौहान (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति शामगढ़ (जि.मंदसौर)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)

श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

सुश्री कविता कंडाले (भारसाधक अधिकारी)

श्री सुरेन्द्र कुमार भिलाला (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सुवासरा (जि.मंदसौर)

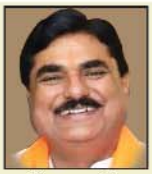

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)

श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री मुकेश शर्मा (भारसाधक अधिकारी)

श्री सुरेन्द्र कुमार सागर (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति गरोठ (जि.मंदसौर)

श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)

श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री संजय मालवीय (भारसाधक अधिकारी)

श्री जगदीश नारायण ओझा (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति दलौदा (जि.मंदसौर)

राईस ब्रेन ऑयल के उत्पादन पर दिया जायेगा जोर

इंदौर। इंदौर संभाग में राइस मिल्स स्थापित करने के उद्देश्य से धान का स्टॉक बाहर से मंगवाया जा रहा है। चावल की भूसी से हम राईस ब्रेन ऑयल का उत्पादन कर सकते हैं जिसका उपयोग कुकिंग ऑयल के रूप में किया जा रहा है। यदि इस ऑयल का उत्पादन अधिक संख्या में होता है तो इससे किसानों एवं मिलर्स को आर्थिक लाभ हो सकेगा। यह बात इंदौर के रेसीडेंसी कोठी में आयोजित लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं रबी उपार्जन की तैयारी की संभागीय समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्री फैज अहमद किदवई ने कही। बैठक में संभाग आयुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, प्रबंध संचालक नागरिक आपूर्ति निगम श्री तरुण पिथोड़े, संचालक खाद्य नागरिक उपभोक्ता संरक्षण विभाग श्री दीपक सक्सेना, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग, कृषि विभाग तथा अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में प्रमुख सचिव श्री किदवई ने किसानों के खातों की आधार सीडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में शासन द्वारा आधार एवं लैंड रिकॉर्ड का डाटा मैच किया जा रहा है जिससे सभी किसानों का एक कॉमन डाटा बेस तैयार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को बेहतर सुविधा प्रदाय करने के उद्देश्य से पंजीयन हेतु विभिन्न पंजीयन केंद्रों का विकल्प किसानों को दिया जा रहा है। किसानों को इस सुविधा के बारे में अवगत कराने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने बताया कि पहले किसानों को उपार्जन के संबंध में एसएमएस के माध्यम से बुकिंग होती थी अब वे ऑनलाइन माध्यम से स्लॉट बुकिंग करा सकेंगे। इसके लिए किसानों को एसएमएस के द्वारा लिंक भेजी जाएगी। प्रमुख सचिव श्री किदवई ने कहा कि बेस्ट स्टोरेज प्रैक्टिस इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र की सहायता ली जाए ताकि एफसीआई द्वारा निर्धारित पैरामीटर्स को हम पूरा कर सकें।

मंडी कर्मचारियों का महासम्मेलन

महेश्वर। संयुक्त संघर्ष मोर्चा इंदौर संभाग द्वारा प्रदेश की समस्त मंडियों के अधिकारियों-कर्मचारियों का महासम्मेलन हुआ। मोर्चा के संयोजक बी.वी. फौजदार की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित, अंगीराप्र साद पांडे विशेष अतिथि, जसवंतसिंह ठाकुर, नरेन्द्रसिंह सोलंकी, वीरेन्द्र नरवरिया

के आतिथ्य में हुआ। ठाकुर संतोषसिंह दीक्षित ने कहा कि 48 वर्षों के इतिहास में ऐसा आंदोलन आज तक नहीं हुआ जिसका श्रेय म.प्र . के 650 मंडियों के अधिकारियों-कर्मचारियों को जाता है। दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी की समस्या हो, नियमितीकरण की समस्या हो या वेतन भत्ता पेंशन की समस्या हो, संयुक्त मोर्चा ने हमेशा आगे बढ़कर अपनी माँगों को रखा है। कार्यक्रम में हजारीलाल पाटीदार, धर्मेन्द्रसिंह तोमर, नीमती ललिता वर्मा, रचना, टी.के. बंटी शर्मा, माँगीलाल पटेल ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विमल शर्मा ने किया। आभार संभागीय अध्यक्ष हरिलाल पाटीदार ने माना। कार्यक्रम में लगभग 500 मंडी कर्मचारी शामिल हुए।

देपालपुर में शिव महापुराण कथा

देपालपुर। हमें प्रसन्न होना चाहिए की हम संस्कार और सभ्यता की पवित्र धरा भारत भूमि पर पैदा हुए हैं ये हमारे लिए सौभाग्य की बात है। इस पावन धरा पर जन्म लेने के लिए देवता भी तरसते हैं। उक्त उदगार प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने श्री चौबीस अवतार मन्दिर में चल रही सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा में व्यक्त किए। कथा के शुरूआत में मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पूर्व विधायक मनोज पटेल, सचिव चिंटू वर्मा, मुख्य यजमान बब्बी दरबार, ट्रस्ट उपाध्यक्ष सुलोचना पटेल आदि दानदाताओं ने व्यास पीठ का पूजन कर पण्डित श्री मिश्रा का स्वागत किया। कथा के तृतीय दिवस सांसद शंकर ललवानी भी पहुंचे। पूर्व मंत्री निर्भय सिंह पटेल की स्मृति में उनके पोते निरल मनोज पटेल और विश्वांजय रवि पटेल ने एक मन्दिर निर्माण की नगद राशि 21 लाख नगद भेंट की।

नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इंदौर प्रवास के दौरान भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सुहास भगत की माताजी श्रीमती शुभांगी भगत के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

खूब पढ़ो, मेहनत करो और देश की उन्नति में भागीदार बनो : सुश्री ठाकुर

इंदौर। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि ज्ञान, तपस्या और बलिदान यही विद्यार्थी जीवन का मूल मूल्य है। आप सभी खूब पढ़ो, मेहनत करो और देश की उन्नति में भागीदार बनो। मंत्री सुश्री ठाकुर प्रतिज्ञा आईएएस अकादमी एमपी नगर में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के सेमिनार को संबोधित कर रही थी।

सुश्री ठाकुर ने युवाओं को वैदिक जीवन पद्धति अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में वैदिक जीवन पद्धति स्वस्थ और खुशहाल जीवन का आधार थी। मिट्टी के घर

आज के कंक्रीट के घर से ज्यादा उपयोगी और स्वस्थवर्धक है। वर्तमान में भी वैज्ञानिक आधार पर इसकी पुष्टि की गई है। वैदिक जीवन पद्धति की छोटी-छोटी बातों को अपने जीवन में उतारें और देश की गौरवमयी संस्कृति की उन्नति और संरक्षण में योगदान दें। यही सच्ची देश-भक्ति है। अकादमी के संस्थापक और डायरेक्टर डॉ. अनिल कुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रतिज्ञा आईएएस अकादमी का संचालन प्रतिज्ञा समाज सेवा-कल्याण समिति द्वारा किया जाता है। यहाँ युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी करवाई जाती है। सेमिनार में अकादमी के शिक्षक सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के साथ भोपाल के स्मार्ट पार्क में गुलमोहर का पौधा लगाते श्री विजय चौधरी।

दो सड़कों के लिए केंद्र से मिलेंगे 879 करोड़ रुपए : श्री भार्गव

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने बताया है कि केंद्र सरकार ने प्रदेश में पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण दो सड़क मार्गों के लिए 879 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इन सड़कों के अपग्रेडेशन से सांची से चंदेरी तथा कान्हा नेशनल पार्क से नर्मदा नदी के उद्‌गम स्थल अमरकंटक और फॉसिल पार्क रैपुरा (डिंडोरी) स्थित आने-जाने वाले पर्यटकों को बेहतर सड़क मार्ग उपलब्ध होगा।

गोपाल भार्गव

प्रमुख सचिव लोक निर्माण नीरज मंडलोई ने बताया कि भारत सरकार की स्थाई वि समिति द्वारा शुक्रवार को प्रदेश के दो महत्वपूर्ण सड़कों कुरवाई से मुंगावली-चंदेरी 81 किलोमीटर मार्ग के अपग्रेडेशन के लिए 386 करोड़ रुपए तथा डिंडोरी से मंडला 93 किलोमीटर के लिए 493 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। मंडलोई ने कहा कि कुरवाई-मुंगावली-चंदेरी मार्ग के अपग्रेडेशन से प्रदेश में सांची और चंदेरी आने वाले पर्यटकों को बेहतर सड़क सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही क्षेत्रवासियों के लिए उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर तक पहुंच आसान हो सकेगी। इसी प्रकार मंडला-डिंडोरी के अपग्रेडेशन से इस अंचल के निवासियों की नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर से छत्तीसगढ़ राज्य में पहुंच आसान होगी।

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

श्री अरविंद दुबे (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री पुष्पेन्द्र कुशवाह (प्रभारी उपायुक्त सहकारिता) | श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री एन.यू. सिद्दीकी (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : **श्री नरेश शर्मा** (शा.प्र. उदयपुरा) | **श्री नारायणसिंह रघुवंशी** (पर्य. उदयपुरा) | **श्री आनंद भूषण आचार्य** (शा.प्र. बरेली) | **श्री राममोहन पटवा** (पर्य. बरेली)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. नोनिया बरेली, जि.रायसेन
श्री अमित व्यास (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बौरास, जि.रायसेन
श्री भूपेन्द्र राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गायब्यान, जि.रायसेन
श्री गोविन्दराम शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. नूर नगर, जि.रायसेन
श्री यशवंत राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. उदयपुरा, जि.रायसेन
श्री बृजकिशोर पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बम्हौरी भुआरी, जि.रायसेन
श्री बृजेश कुमार दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बिजनहाई, जि.रायसेन
श्री जयराम धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. छातेर, जि.रायसेन
श्री परमेश कुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. घाना बहेड़िया, जि.रायसेन
श्री केशव रघुवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. चौरास, जि.रायसेन
श्री कृपालसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. कानीबाड़ा, जि.रायसेन
श्री सुरेन्द्र राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बरेली, जि.रायसेन
श्री रामकुमार भार्गव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मगरधा, जि.रायसेन
श्री नर्मदाप्रसाद धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सिवनी, जि.रायसेन
श्री अवधगिरि गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बांस पिपरिया, जि.रायसेन
श्री पुष्करसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बाग पिपरिया, जि.रायसेन
श्री कृष्ण कुमार राजोरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. चैनपुर, जि.रायसेन
श्री वीरेन्द्र सिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. धौखेड़ा, जि.रायसेन
श्री नेपालसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. डूमर, जि.रायसेन
श्री प्रभाकर शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. कामतौन, जि.रायसेन
श्री राजेन्द्रसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. उटियाकलां, जि.रायसेन
श्री मनोहरसिंह धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बगलवाड़ा, जि.रायसेन
श्री ठाकुर अरमानसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गगनवाड़ा, जि.रायसेन
श्री राजेन्द्रसिंह राजपूत (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

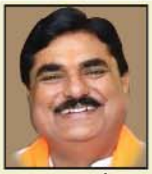

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री जगदीश देवड़ा
(प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री अवि प्रसाद
(भारसाधक अधिकारी)

श्री उमेश बसेड़िया शर्मा
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति उज्जैन (जि.उज्जैन)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री प्रदीप सोनी
(भारसाधक अधिकारी)

श्रीमती प्रवीण चौधरी
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति, देवास (जि.देवास)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री त्रिलोचनसिंह गोंड
(भारसाधक अधिकारी)

श्री ओ.पी. खेड़े
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति खातेगाँव (जि.देवास)

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया (प्रभारी मंत्री)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

सुश्री शिवानी तेरटिया
(भारसाधक अधिकारी)

श्री आनंद सिंह ठाकुर
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सोनकच्छ (जि.देवास)

विश्व महिला दिवस पर महिला शक्ति को भेंट किया पुष्पगुच्छ

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विश्व महिला दिवस के अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, श्रीमती कविता पाटीदार सहित एयरपोर्ट पर उपस्थित अन्य महिला शक्तियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। तद्पश्चात मुख्यमंत्री श्री चौहान, श्री जे.पी. नड्डा के साथ कार द्वारा उज्जैन के लिये रवाना हुये। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, पुलिस कमिश्नर श्री हरिनारायणचारी मिश्र, कलेक्टर श्री मनीष सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया देपालपुर में व्यवस्थाओं का जायजा

इंदौर। इंदौर जिले के देपालपुर स्थित 24 अवतार मंदिर प्रांगण में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, कलेक्टर श्री मनीष सिंह, पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश गुप्ता, उपमहानिरीक्षक श्री चन्द्रशेखर सोलंकी तथा पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री बी.एस. विरदे आज देपालपुर पहुंचे। उन्होंने यहां होने वाली शिव पुराण कथा के संदर्भ में की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पंडित श्री प्रदीप मिश्रा से भेंट कर चर्चा भी की।

स्व. सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण

इंदौर। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की 77 जयंती पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं ने बंगाली चौराहा स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके किए कार्यो को याद किया। कार्यक्रम स्थल पर वरिष्ठ नेता कृष्णमुरारी मोघे, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, सांसद शंकर लालवानी, इविप्रा अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, मुद्रा शास्त्री, मधु वर्मा, सूरज कैरो, प्रमोद टंडन, घनश्याम शेर, कमल वाघेला, नानूराम कुमावत, चिंटू सिलावट, सुधीर देगड़े, पप्पू शर्मा, राजेश पांडे, अजय सिंह नरूका, रितेश तिवारी उपस्थित रहे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने भोपाल कार्यालय में माधवराव सिंधिया के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

फसल बीमा योजना की त्रुटियों के लिए बैंक जवाबदार होंगे

भोपाल। जिन कृषकों का फसल बीमा पोर्टल पर डेटा अपलोड करने में बैंकों द्वारा की गई त्रुटियां जैसे प्रीमियम राशि कम भेजने, आधार की गलत एन्ट्री, आईएफएससी कोड की गलत एन्ट्री, खसरा नं. गलत एन्ट्री, प्रीमियम न भेजने आदि की गई है तथा जिसके कारण कृषकों को फसल बीमा दावा राशि प्राप्त नहीं हो पा रही है, ऐसी स्थिति के लिए संबंधित बैंक जिम्मेदार होंगे। इसी प्रकार के कई कृषकों ने फसल बीमा दावा राशि प्राप्त ना होने संबंधी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज कराई हैं। ऐसे कृषक जिनकी बैंक द्वारा फसल बीमा पोर्टल पर एन्ट्री नहीं की गई है या एन्ट्री गलत की गई है जिसकी वजह से बीमा दावा राशि कृषकों के उल्लेखित बैंक खातों में नहीं आई है ऐसे सभी कृषकों को कृषि विभाग द्वारा अपनी-अपनी संबंधित बैंक शाखा से संपर्क करने हेतु कहा गया है।

श्री वसुनिया ने समीक्षा की

झाबुआ। बैंक प्रधान कार्यालय सभाकक्ष में शाखा प्रबंधको की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.एस. वसुनिया द्वारा कृषि-अकृषि ऋणों की वसूली, अमानत वृद्धि, रबी ऋण वितरण, शाखा निरीक्षण, सतत् अंकेक्षण, एन.पी.ए., गबन धोखाधडी, केसीसी शिविर,

पशुपालन, मत्स्यपालन के प्रकरण, भूअभिलेख पोर्टल पर ऋण प्रविष्टि आदि विषयों पर गहन समीक्षा की गई एवं शाखा प्रबंधकों को माह मार्च में 60 प्रतिशत वसूली किये जाने, ऋणियों को शत-प्रतिशत सूचना पत्र वितरण किये जाने, भू अभिलेख पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टि किये जाने, गेहूं पंजीयन गतवर्ष से अधिक किये जाने, बड़े बकायादारों, कालातीत प्रकरणों में वैधानिक कार्यवाही करने एवं कालातीत ऋणी की सूचियां शाखा-संस्था कार्यालय मे चस्पा किये जाने एवं पशुपालन-मस्त्यपालन के प्रकरणों में केसीसी जारी किये जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही उपस्थित शाखा प्रबंधकों को भारत बिल पेमेन्ट सिस्टम (बीबीपीएस) के संबंध मे प्रशिक्षित किया गया। बैठक में प्रधान कार्यालय स्टाफ, नोडल अधिकारी अलीराजपुर एवं झाबुआ तथा अलीराजपुर जिले के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

पद्मश्री जनक पलटा को नारी शक्ति सम्मान

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पद्मश्री डॉ. जनक पलटा मगिलिगन को चमेलीदेवी नारी शक्ति सम्मान दिया गया। इस अवसर पर ग्रुप डायरेक्टर डॉ. जॉय बैनर्जी ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. पलटा ने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण को ध्यान अवश्य रखें। साथ ही युवा पीढ़ी से अपील की कि वे अपने माता-पिता का सम्मान करें। इस अवसर पर एसजीएसआईटीएस की डॉ. वंदना तारे, स्कूल प्राचार्य हेमलता पाटीदार, नीलम काबरा एवं जेसिका भाटिया भी उपस्थित थीं।

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

जन-जन के लाड़ले नेता और प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री बी.एल.मकवाना
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

श्री ओ.पी.गुप्ता
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री विशेष श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से: श्री सुनील माहेश्वरी (शा.प्र. बड़नगर), श्री गेंदालाल चौहान (पर्यवेक्षक बड़नगर), श्री सतीशचंद्र व्यास (शा.प्र. इंगोरिया), श्री मुकेश जोशी (पर्यवेक्षक इंगोरिया), श्री अशोक कुमार द्ववई (शा.प्र. खरसौदखुर्द), श्री दिनेश त्रिवेदी (पर्य.खरसौदखुर्द)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जाफला, जि.उज्जैन श्री गजेन्द्रसिंह झाला (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दंगवाड़ा, जि.उज्जैन** श्री महेश जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भेरूपचलाना, जि.उज्जैन श्री गेन्दालाल चौहान (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. असलावदा, जि.उज्जैन** श्री हिम्मतसिंह राणावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लखेसरा, जि.उज्जैन श्री मनोहरसिंह पण्ड्या (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बलेड़ी, जि.उज्जैन** श्री प्रतापसिंह सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मौलाना, जि.उज्जैन श्री ओमप्रकाश निम्बोला (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुवासा, जि.उज्जैन** श्री जगदीश वोरिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टोंकरा, जि.उज्जैन श्री सुशील भावसार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिकली, जि.उज्जैन** श्री पदमसिंह आंजना (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमला, जि.उज्जैन श्री गेन्दालाल चौहान (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुनालजा, जि.उज्जैन** श्री अनोखीलाल वारिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जलोदिया, जि.उज्जैन श्री रामदास बैरागी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घड़सिंगा, जि.उज्जैन** श्री अर्जुन जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भोमलवास, जि.उज्जैन श्री मुश्ताक पटेल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमनापाती, जि.उज्जैन** श्री मुकेश जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दातरवा, जि.उज्जैन श्री नरेन्द्र माथुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खरसौदखुर्द, जि.उज्जैन** श्री नारायणसिंह पण्ड्या (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीरझलार, जि.उज्जैन श्री जगदीशचंद्र सिसोदिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिजावदा, जि.उज्जैन** श्री दिनेश त्रिवेदी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. इंगोरिया, जि.उज्जैन श्री चंद्रदेव चौधरी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पनदूना, जि.उज्जैन** श्री ओमप्रकाश रावल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पलसोड़ा, जि.उज्जैन श्री राजेश जयपाल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खण्डौदा, जि.उज्जैन** श्री दिनेश त्रिवेदी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घुड़ावन, जि.उज्जैन श्री संदीप त्रिवेदी (प्रबंधक)	

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

ओलावृष्टि से इंदौर संभाग के कई जिलों में फसलें खराब

इंदौर। अंचल के कई जिलों में बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी और कटी फसलों को नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का आकलन करने के लिए सर्वे किया जाएगा। उन्होंने कलेक्टरों को सर्वे कराने के निर्देश दिये हैं। मंदसौर जिले में मंदसौर, मल्हारगढ़, दलौदा और सीतामऊ तहसील के 25 से ज्यादा गाँवों के प्रभावित होने की सूचना मिली है। प्रशासन की टीमों ने नुकसानी का सर्वे शुरू कर दिया है। नीमच जिले के दर्जनों गाँवों में गेहूँ, मेथी, चना और अफीम की फसल को नुकसान हुआ है। किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अर्जुन बोरोना ने बताया कि जिले में 60 प्रश फसलों को नुकसान पहुँचा है। धार जिले के बदनावर क्षेत्र में 20-30 फीसद फसलों को नुकसान हुआ है। राजगढ़ क्षेत्र में खेतों में खड़ी गेहूँ की फसलें आड़ी हो गई। बड़वानी क्षेत्र में भी आँधी और बारिश से फसलें आड़ी हुईं। रतलाम विकासखंड में अधिक नुकसान हुआ है। खेतों में काटकर रखी गेहूँ, चना सहित अन्य फसलें खराब हुईं। आगर जिले के सुसनेर क्षेत्र के गाँवों में राजस्व दल ने नष्ट हुई फसलों की नुकसानी का आकलन कर पंचनामा बनाया।

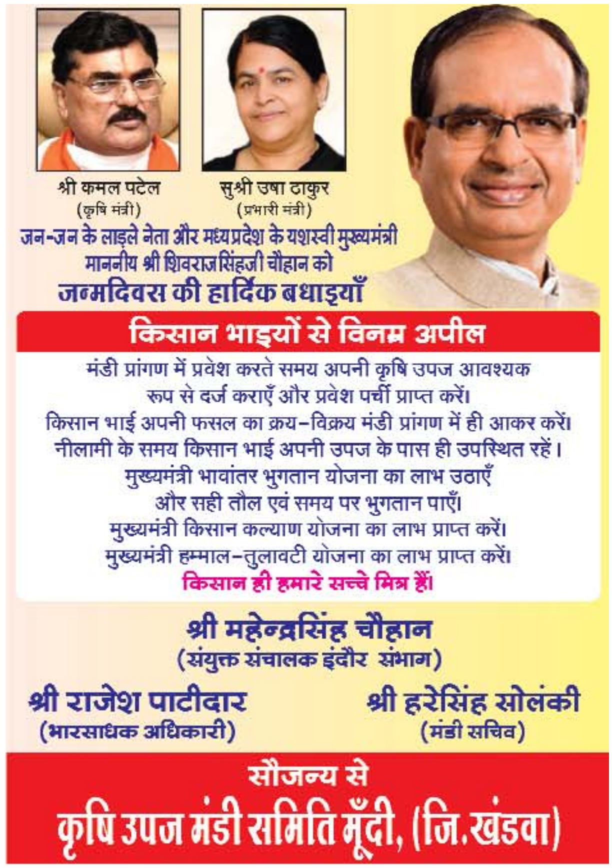

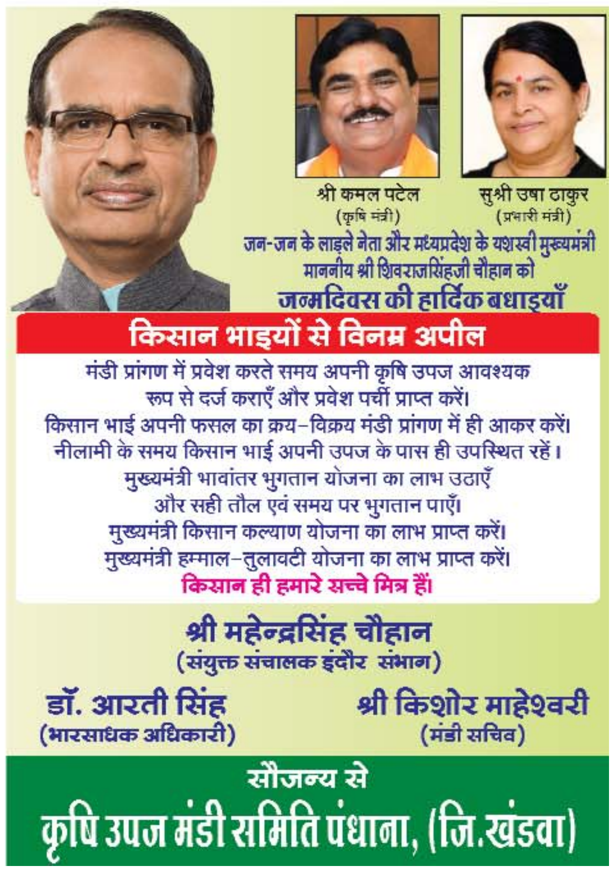

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

आर्थिक प्रयासों में तेजी आएगी। संतान पक्ष के कार्यों में सहयोग देना होगा। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। रुके कार्य स्वप्रयत्नों से पूरे होंगे।

वृषभ

मानसिक प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा। उत्साहजनक समाचार मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक हेगी। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे।

मिथुन

भाग्यबल द्वारा आपके कार्य बनेंगे। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति अनुकूल रहेगी। नौकरीपेशा अनुकूल स्थिति पाएंगे। संतान के कार्यों में खर्च होगा। परिवार में शुभ कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

अधिकारी वर्ग का सहयोग मिलने से कार्य कुशलतापूर्वक बनेंगे। धन-कुटुम्ब के मामलों में सहयोग के साथ उत्तम स्थिति रहेगी। आर्थिक मामलों में स्वप्रयत्नों द्वारा लाभान्वित होंगे। सोचे कार्यों में थोड़ी बाधा रहेगी।

सिंह

प्रभाव में वृद्धि होगी, वहीं स्वास्थ्य ठीक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधित मामलों में सावधानी रखना होगी। व्यापार-व्यवसाय में संतोषजनक स्थिति रहेगी। जमीनी कार्य से लाभार्जन कर सकते हैं।

कन्या

ईष्ट मित्रों व भाइयों का सहयोग मिलेगा। साझेदारी के कार्य में अनुकूल स्थिति रहेगी। नौकरीपेशा के लिए समय मिला-जुला रहेगा। अधिकारी वर्ग का सहयोग लेकर चलें। स्वास्थ्य अधिकतम ठीक रहेगा।

तुला

दांपत्य जीवन में मधुर वातावरण रहेगा। संतान पक्ष में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थी वर्ग में अनुकूल स्थिति रहेगी। आर्थिक प्रयासों में अनुकूल सफलता पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए समझदारी से चलना होगा।

वृश्चिक

इच्छित कार्य में सफल होंगे, मानसिक सुख-शांति रहेगी। पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। मातृपक्ष से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सुखद स्थिति पाएंगे। अधिकारी वर्ग भी सुखद स्थिति पाएंगे।

धनु

पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

बाहरी व्यक्तियों से सावधानीपूर्वक वार्तालाप करें व यात्रा में भी सावधानी रखना होगी। स्थानीय मामलों में सफलता के साथ प्रसन्नता रहेगी। स्त्री पक्ष के मामलों में सावधानी रखना होगी।

कुम्भ

भाग्य में अनुकूलता होने से कार्य में प्रगति आएगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। नौकरीपेशा अपने कार्य में प्रगति के साथ लाभान्वित होंगे। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। शत्रुपक्ष पर प्रभाव बना रहेगा।

मीन

भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। अधिकार क्षेत्र में वृद्धि पाएंगे। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए सहयोगवादी समय रहेगा।

‘द कश्मीर फाइल्स’ की चर्चा पूरे देश में

विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स पूरे देश में चर्चा में है। फिल्म बिना किसी तामझाम बॉक्स ऑफिस पर बम्पर कमाई कर रही है। वजह है माउथ पब्लिसिटी। फिल्म के सब्जेक्ट को लेकर भी सोशल मीडिया पर लोगों की दो तरह की राय है। वहीं कई लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि बॉलीवुड में लोग वैसे तो एक-दूसरे की फिल्म को प्रमोट करने के लिए सोशल मीडिया पर लिखते हैं लेकिन इस फिल्म के लिए कुछ नहीं लिखा। बीते दिनों कंगना रनौत भी इस बात पर गुस्सा निकाल चुकी हैं। कुछ बॉलीवुड सिलेब्रिटीज ने फिल्म के सपोर्ट में सोशल मीडिया पर लिखा है। इनके पोस्ट्स के चर्चे हैं।

विद्युत जामवाल द कश्मीर फाइल्स की रिलीज वाले दिन से ही विवेक रंजन अग्निहोत्री के पोस्ट्स रीट्वीट कर रहे हैं। उनके हैंडल से कोई अलग से पोस्ट तो नहीं दिखा लेकिन फिल्म के टैक्स फ्री होने से लेकर इसकी तारीफ में किए गए कई पोस्ट विद्युत जामवाल ने पोस्ट किए हैं। बता दें कि विद्युत का होम टाउन जम्मू है।

परिणीति चोपड़ा ने भी 13 मार्च को द कश्मीर फाइल्स की तारीफ में ट्वीट किया था। उन्होंने लिखा था, अपने दोनों फेवरिट लोगों के लिए बहुत खुश हूं। अच्छा काम हमेशा बोलता है। द कश्मीर फाइल्स की टीम को बधाई। साथ में अनुपम खेर टैग थे और मिथुन चक्रवर्ती के नाम का हैशटैग भी था। आर माधवन ने फिल्म की रिलीज वाले दिन ही ट्वीट किया था, फिल्म के बहुत जबरदस्त रिव्यूज पब्लिक से सुनने को मिल रहे हैं। देखने के लिए बेताब हूं। माधवन ने विवेक अग्निहोत्री की तारीफ के साथ टीम को बधाई भी दी थी। इस पर विवेक रंजन ने लिखा था कि मैडी फीडबैक जरूर देना। माधवन ने जवाब दिया था, बिल्कुल चीफ, देखते ही दूंगा। यामी गौतम और उनके पति ने फिल्म को लेकर इमोशनल ट्वीट्स किए हैं। यामी ने लिखा है, कश्मीरी पंडित की बीवी होने के नाते मुझे पता है कि इस शांति पसंद समुदाय के साथ कितने अत्याचार हुए हैं और उन पर क्या बीती है। लेकिन देश के ज्यादातर लोगों को इस बारे में नहीं पता। हमें 32 साल और एक फिल्म के बाद सच पता चल पाया। प्लीज जरूर देखें और द कश्मीर फाइल्स को सपोर्ट करें।

अक्षय कुमार ने भी फिल्म के लिए पोस्ट किया था। उन्होंने अनुपम खेर के एक पोस्ट को रीट्वीट करके लिखा था, द कश्मीर फाइल्स में आपकी परफॉर्मेंस के बारे में हैरतंगेज बातें सुन रहा हूं। इतनी भारी संख्या में दर्शकों को फिर से सिनेमाघरों में जाते हुए देखकर हैरान हूं। उम्मीद है जल्द ही फिल्म देख पाऊंगा। जय अम्बे।

अमीषा पटेल ने ट्वीट करके अपने ट्विटर पर सिनेमाहॉल गुलजार होने पर खुशी जताई थी। वहीं परेश रावल ने पोस्ट किया था कि अगर आप भारतीय हैं तो आपकी द कश्मीर फाइल्स फिल्म जरूर देखनी चाहिए। मनोज मुंतशिर ने भी फिल्म की तारीफ की है। वहीं कंगना रनौत भी फिल्म की तारीफ में कई पोस्ट कर चुकी हैं और बॉलीवुड के लोगों को तारीफ न करने पर लताड़ भी चुकी हैं।

दिनों-दिन बढ़ती जा रही दर्शक संख्या

अनुपम खेर और मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म द कश्मीर फाइल्स सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। सोशल मीडिया और माउथ पब्लिसिटी से फिल्म के दर्शकों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। फिल्म में दिखाया गया है कि 1990 के का वो भयावह दौर जब कश्मीरी पंडितों को अपने ही घरों को छोड़ने पर मजबूर कर दिया गया था। फिल्म यह भी बताती है कि वो सिर्फ एक पलायन नहीं बल्कि नरसंहार था। डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री कि इस फिल्म में ‘अनुच्छेद 370’ से लेकर कश्मीर के इतिहास और पौराणिक कथाओं पर भी बात की गई है। इस फिल्म में इस बात का जिक्र प्रमुखता से किया गया है कि कैसे राजनीतिक कारणों से कश्मीरी पंडितों के नरसंहार को सालों साल दबा कर रखा गया। फिल्म की कहानी 1990 के दशक से शुरू होकर मौजूदा साल तक पहुंचती है। दिल्ली में पढ़ रहा कृष्णा (दर्शन कुमार) अपने दादाजी पुष्कर नाथ पंडित (अनुपम खेर) की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए श्रीनगर आता है। कश्मीर के अतीत से बेखबर वो अपने परिवार से जुड़ी सच्चाई की खोज में लग जाता है। यहां उसकी मुलाकात अपने दादाजी के चार दोस्तों से होती है। धीरे-धीरे कश्मीरी पंडितों के पलायन और नरसंहार की चर्चा शुरू होती है। एक्टिंग की बात करें तो अनुपम खेर अपने अभिनय से आपके दिलों में उतर जाएंगे। वहीं, मिथुन चक्रवर्ती ने शानदार काम किया है। इनके अलावा फिल्म में दर्शन कुमार, पल्लवी जोशी, प्रकाश बेलावड़ी, पुनीत इस्सर, अतुल श्रीवास्तव, चिन्मय मांडलेकर, भाषा सुंबली भी अहम किरदार में नजर आए हैं। विवेक अग्निहोत्री ने सालों रिसर्च कर इस फिल्म की कहानी पर काम किया है जो स्क्रीन पर साफ नजर आता है। फिल्म को म.प्र. सहित अनेक राज्यों में टैक्स फ्री किया गया है।

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री हर्ष दीक्षित (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री जी.पी. सोनकुसरे (उपायुक्त सहकारिता) | श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री डी.आर. सरोठिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से :- श्री प्रेमसिंह हाड़ा (शा.प्र. बोड़ा) । श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (पर्य. बोड़ा)
श्री मेहताबसिंह राजपूत (शा.प्र. तलेन) । श्री राकेश कुमार जैन (पर्य. तलेन)
श्री रमेशचंद्र पाण्डे (शा.प्र. पचोर) । श्री कमलसिंह राजपूत (पर्य. पचोर)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बोड़ा, जि.राजगढ़
श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भैंसाना, जि.राजगढ़
श्री प्रहलाद यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मंडावर, जि.राजगढ़
श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ढाबला, जि.राजगढ़
श्री विक्रमसिंह चावड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. हिनोत्या, जि.राजगढ़
श्री कमलेन्द्रसिंह मकवाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. उमरी, जि.राजगढ़
श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सूकली, जि.राजगढ़
श्री रामचरण यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. तुर्कीपुरा, जि.राजगढ़
श्री नरेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. नाहली, जि.राजगढ़
श्री राकेश कुमार जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. इकलेरा, जि.राजगढ़
श्री इन्दरसिंह जौधाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बाबड़ीखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री बिहारीलाल केशवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. तलेन, जि.राजगढ़
श्री भूपेन्द्रसिंह उमठ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. परसूखेड़ी, जि.राजगढ़
श्री हलकेलाल सेन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पा.आंजना, जि.राजगढ़
श्री जितेन्द्र भारद्वाज (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. टिकोद, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पचोर, जि.राजगढ़
श्री बालचंद्र नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. उदनखेड़ी, जि.राजगढ़
श्री मोहनसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सुस्तानी, जि.राजगढ़
श्री भगवानसिंह राणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. करनवास, जि.राजगढ़
श्री बनेसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बोकड़ी, जि.राजगढ़
श्री तुलसीराम नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सुल्तानिया, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ओढ़पुर, जि.राजगढ़
श्री दिलीपसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पानिया, जि.राजगढ़
श्री मोहनसिंह गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बाँसखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री बलवंतसिंह नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. देवलखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री लक्ष्मीचंद्र यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पटा धाकड़, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

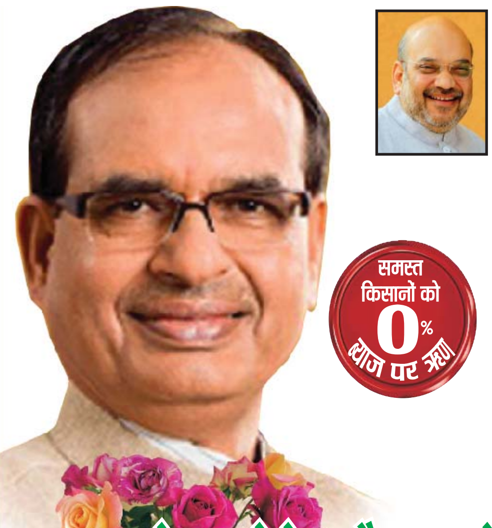

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री महेन्द्र दीक्षित (उपायुक्त सह.-अति.प्रभार) | श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से

श्री देवकरण जावरिया (शा.प्र. आष्टा) । श्री धरमसिंह परमार (पर्य. आष्टा)
श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र.कोठरी) । श्री जगदीश शर्मा (पर्य.कोठरी)
श्री उदयसिंह ठाकुर (शा.प्र. जावर) । श्री जितेन्द्र जैन (पर्य. जावर)
श्री दयाराम पाटीदार (शा.प्र. मेहतवाड़ा) । श्री मनोहरसिंह ठाकुर (पर्य. मेहतवाड़ा)
श्री रमेश दायमा (शा.प्र. लाड़कुई) । श्री राधेश्याम सोलंकी (पर्य.लाड़कुई)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. डाबरी, जि.सीहोर
श्री रूपचंद्र वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. खड़ीहाट, जि.सीहोर
श्री बद्रीप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पगारिया राम, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बमूलिया भाटी, जि.सीहोर
श्री देवीसिंह जायसवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भंवरा, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बागेर, जि.सीहोर
श्री माँगीलाल ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मुगली, जि.सीहोर
श्री राजाराम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. लसुड़िया पार, जि.सीहोर
श्री रामेश्वर विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गवाखेड़ा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. निपानियाकलां, जि.सीहोर
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर
श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. धामन्दा, जि.सीहोर
श्री घीसीलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. कजलास, जि.सीहोर
श्री नियाज मोहम्मद (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. जावर, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मुरावर, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भँवरीकला, जि.सीहोर
श्री जितेन्द्र जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर
श्री मनोहरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ग्वाली, जि.सीहोर
श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर
श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर
श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. लाड़कुई , जि.सीहोर
श्री जनार्दन शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भादाकुई, जि.सीहोर
श्री मोहन मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. छिदगाँव, जि.सीहोर
श्री अशोक मीणा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17